



दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, हिस्ट्रीशीटर शामिल हुए, बैरिकेड तोड़े, लेकिन हमने ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 20 जुलाई का संसद मार्च गैरकानूनी था। इसकी परमिशन नहीं थी। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में कई हिस्ट्रीशीटर भी आ गए थे। पुलिस ने बताया कि संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े और पुलिस से मारपीट की, जिससे प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं रहा। हालात संभालने के लिए बल प्रयोग किया गया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया गया। डिटी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन शर्मा ने हलफनामा दाखिल कर ये जानकारी दी। इसे पुलिस ज्यादाती की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं के जवाब के तौर पर पेश किया गया है। चार संबंधित याचिकाओं में भी यही जवाब इस्तेमाल होगा। डिटी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन शर्मा ने हलफनामा दाखिल कर ये जानकारी दी। इसमें पुलिस एक्शन की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं का जवाब दिया गया है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हाई लेवल कमेटी बनाएगा।

'कील वाली लाठी' के आरोप से दिल्ली पुलिस का इनकार

हाईलेवल कमेटी करेगी जांच

सुप्रीम कोर्ट ने सीजेपी के नेतृत्व वाले छात्र प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई के आरोपों की जांच के लिए हाईलेवल कमेटी बनाने का फैसला किया है। इसमें सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज, पूर्व डीजीपी, पूर्व सीबीआई प्रमुख समेत अन्य सदस्य होंगे। कोर्ट बुधवार को कमेटी के गठन का आपाधिक आदेश जारी करेगा। इससे पहले याचिकाकर्ताओं और अन्य पक्षों से सदस्यों के नाम पर सुझाव लिए जाएंगे।

■ सीसीटीवी फुटेज: प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई के वीडियो की जांच।

■ पुलिस कार्रवाई: कथित ज्यादा बल प्रयोग और अन्य शिकायतों की पड़ताल।

■ महिला प्रदर्शनकारी: कथित दुर्य्यवहार से जुड़ी शिकायतों की जांच।

■ घटनाक्रम: उपलब्ध फुटेज और शिकायतों के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल।

■ सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी 'स्पॉटर्स' के तौर पर तैनात थे

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर रिजिजू बोले, गोली कहां चली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने दिए एक इंटरव्यू में कहा कि जेन-जी हमारे अपने बच्चे हैं और उनसे लगातार बातचीत जरूरी है। रिजिजू ने जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा- हजारों लोगों के प्रदर्शन के बावजूद एक भी गोली नहीं चली और किसी प्रदर्शनकारी को गंभीर चोट नहीं लगी। इसके लिए दिल्ली पुलिस की तारीफ होनी चाहिए। अगर ऐसा आंदोलन कांग्रेस के दौर में हुआ होता, तो हजारों लोगों की मौत हो सकती थी। रिजिजू ने कॉंग्रेस जनता पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा- दीपके आप कार्यकर्ता हैं। छात्र नेता कैसे बन गए? केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी के पीएम पर तंज और संसद में कांग्रेस के हंगामे पर भी जवाब दिया।

सुप्रीम कोर्ट बनाएगा हाईलेवल कमेटी, आज आदेश संभव

सिविल ड्रेस में तैनात थे स्पॉटर्स

■ स्पॉटर्स कौन होते हैं?: सादे कपड़ों में तैनात अधिकारियों को 'स्पॉटर्स' कहा जाता है। ये भीड़ नियंत्रण का हिस्सा थे।

■ वे भीड़ में क्यों शामिल हुए?: वे प्रदर्शनकारियों के बीच इसलिए शामिल हुए ताकि असामाजिक तत्वों की नजर से बच सकें और जरूरतमंद लोगों की तुरंत मदद कर सकें।

2873 लोगों पर आपराधिक मामले

हलफनामे में यह भी बताया गया कि करीब 2,873 लोगों के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, दुष्कर्म और पॉक्सो समेत गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। दिल्ली पुलिस आयुक्त द्वारा गठित एसआईटी इन लोगों की भूमिका की जांच करेगी। पुलिस ने कहा कि बल प्रयोग की वैधता और आवश्यकता की जांच अदालत द्वारा प्रस्तावित समिति के माध्यम से की जा सकती है और दिल्ली पुलिस इसमें पूरा सहयोग करेगी।

सीजेपी प्रोटेस्ट 49 दिन चला

कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) का जंतर-मंतर प्रदर्शन 20 जून से शुरू हुआ था। 20 जुलाई के 'संसद चलो' के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। पुलिस के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया, जबकि सीजेपी ने पुलिस पर लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल का आरोप लगाया। पुलिस कार्रवाई में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के घायल होने की रिपोर्ट सामने आई।

पुलिस के हलफनामे में जवाब

■ पुलिस-प्रदर्शनकारी के घायल होने पर- 20 जुलाई को जंतर-मंतर के आसपास 30 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी मौजूद थे। करीब 3 किलोमीटर के इलाके में फैली इस भीड़ को संभालने के लिए लगभग 5 हजार पुलिसकर्मी तैनात थे। झड़प में 240 से ज्यादा पुलिसकर्मी और करीब 200 प्रदर्शनकारी घायल हुए।

■ कील वाली लाठियों के आरोप पर- याचिकाओं में चुनिंदा फोटो, अघूरे वीडियो और अपुष्ट मीडिया रिपोर्ट्स का इस्तेमाल किया गया। इनमें पुलिस की कार्रवाई का पूरा संदर्भ नहीं दिखता। वीडियो में ऐसी लाठी की सिर्फ एक घटना दिखती है। वह लाठी एक प्रदर्शनकारी के हाथ में थी।

■ पुलिस पर प्रदर्शनकारियों के हमले पर- प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, पुलिसकर्मियों से मारपीट की और उनका सुरक्षा सामान खींचा। इसके बाद हिंसा रोकने के लिए कानूनी तरीके अपनाए गए। बल प्रयोग जरूरी हो गया था। भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठियां मान्य उपकरण हैं।

■ पुलिसवालों के सिविल ड्रेस में होने पर- स्पेशल ब्रांच, स्पेशल सेल, ड्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस के जवान सिविल ड्रेस में भीड़ में तैनात थे। यह सामान्य सुरक्षा रणनीति है।

■ जंतर-मंतर में हिस्ट्रीशीटर आने पर- प्रदर्शन में असामाजिक तत्व और आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोग भी शामिल थे। करीब 2,873 प्रदर्शनकारियों पर हत्या, हत्या की कोशिश, डकैती, रेप और पॉक्सो जैसे मामले दर्ज हैं। इन मामलों की जांच एसआईटी करेगी।

■ फेशियल रिकग्निशन के इस्तेमाल पर- फेशियल रिकग्निशन सॉफ्टवेयर से हर व्यक्ति की प्रोफाइल दर्ज नहीं होती और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की निगरानी नहीं की जाती। इसका इस्तेमाल गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड वालों की पहचान के लिए होता है। सिर्फ फेशियल रिकग्निशन के आधार पर कार्रवाई नहीं होती। फील्ड वैरिफिकेशन भी किया जाता है। छेदे मामलों या ट्रैफिक चालान वालों की पहचान नहीं की जाती।



श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद: सुलह की कोशिश नाकाम, अब सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

एजेंसी। नई दिल्ली

'दस्तावेज न होने के कारण कतरा रहा मुस्लिम पक्ष' मामले के एक अन्य हिंदू पक्षकार दिनेश फलाहरी ने मुस्लिम पक्ष की गैरहाजिरी पर सवाल खड़े किए हैं। फलाहरी का दावा है कि मुस्लिम पक्ष के पास इस विवादित स्थल से जुड़े कोई भी ठोस दस्तावेज मौजूद नहीं हैं। उनका कहना है कि यही मुख्य कारण है कि वे बार-बार कोर्ट की कार्यवाही और समझौता वार्ता से बच रहे हैं।

मेवात में मस्जिद और बनाने का खर्च उठाने का दिया था प्रस्ताव

हालांकि, दिनेश फलाहरी ने यह भी बताया कि उन्होंने मुस्लिम पक्ष को मेवात में जमीन देने और नई मस्जिद के निर्माण का पूरा खर्च उठाने का प्रस्ताव दिया था। अब सुलह की गुंजाइश खत्म होने के बाद, सभी की निगाहें आगामी 21 से 23 अगस्त तक सुप्रीम कोर्ट में होने वाली मसलतपूर्ण सुनवाई पर टिकी हैं।

हटाने के बदले अन्य जगह जमीन देने का प्रस्ताव रखा गया था। लेकिन, अब उन्होंने कोर्ट में साफ कर दिया है कि यह पूरी जमीन श्रीकृष्ण जन्मभूमि की ही है, इसलिए अब मस्जिद के बदले कोई भी वैकल्पिक भूमि नहीं दी जाएगी।

बदायूं में बड़ी कार्रवाई: बसपा नेता आतिफ खां की दो मंजिला मार्केट पर चला बुलडोजर, 14 दुकानें ध्वस्त



एजेंसी। नई दिल्ली

बदायूं जिले के दातागंज में पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) की भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाई गई दो मंजिला मार्केट पर मंगलवार को बुलडोजर से कार्रवाई की गई। पीडब्ल्यूडी की टीम ने बुलडोजर से मार्केट की 14 दुकानों को ध्वस्त कर दी। इस दौरान भाजपा विधायक राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू की दुकान की सीढ़ियों पर भी बुलडोजर चला। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान दातागंज इस्पेक्टर भारी फोर्स के साथ मौके पर तैनात रहे। नगर पालिका दातागंज के ईओ और पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता अभिषेक कुमार भी मौके पर डटे रहे। बताते हैं कि कई साल पहले यह दुकानें पीडब्ल्यूडी की भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई थीं। इन अवैध दुकानों पर बुलडोजर कार्रवाई के आदेश पहले ही हो चुके हैं, लेकिन

बसपा नेता आतिफ खां की हे मार्केट सहायक अभियंता अभिषेक कुमार ने बताया कि साल 2005 में आतिफ खां ने ये दुकानें बनवाई थीं। नगर पालिका से नवशा बनवाया गया था, तब नगरपालिका ने उस पर यह लिखा था कि पीडब्ल्यूडी की अनुमति भी जरूरी है, पीडब्ल्यूडी से अनुमति लेने के बाद नवशा मान्य माना जाएगा लेकिन पीडब्ल्यूडी से अनुमति नहीं ली गई थी। आतिफ खां कांग्रेस और सपा में नेता रहे। मौजूदा समय में बसपा के मंडल अध्यक्ष हैं। निर्माण के दौरान नोटिस जारी किए गए थे। अब बुलडोजर कार्रवाई हुई है।

फोर्स नहीं मिलने की वजह से कार्रवाई रुकी थी। मंगलवार को फोर्स मिलने पर पीडब्ल्यूडी ने दुकानों को ध्वस्त कर दिया।

मैं जब विधायक बना था तब अमित शाह बच्चे थे

मल्लिकार्जुन खड़गे बोले-वह हमें देशभक्ति न सिखाएं



खड़गे ने कहा-गद्ददारों को वोट मत दीजिए

खड़गे ने कहा, गोवा के 12 मंत्रियों में से 10 पूर्व कांग्रेस नेता हैं, जो पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। गद्ददारों को वोट मत दीजिए। अगर आप उन्हें वोट देंगे, तो आप भी गद्दार बन जाएंगे। उन्होंने कहा, बड़े शहरों के अमीर लोग गोवा में जमीन खरीद रहे हैं।

बिहार जिताने वाले तावड़े को यूपी का मिला प्रभार

● बीजेपी ने दी बड़ी जिम्मेदारी, जगदीश पटेल सह प्रभारी होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के लिए नए राज्य प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए। बिहार

● सतीश पूनिया को पंजाब,तरुण चुग को गुजरात की जिम्मेदारी

चुनाव जिताने वाले विनोद तावड़े को यूपी का प्रभारी बनाया गया है। जगदीश ईश्वरभाई पटेल को सह-प्रभारी नियुक्त किया है। पंजाब की जिम्मेदारी सतीश पूनिया को दी गई है। गुजरात का जिम्मा तरुण चुग को सौंपा गया



है। इन तीनों राज्यों में अगले साल चुनाव हैं। भाजपा अध्यक्ष ने एक दिन पहले अपनी नई

टीम का ऐलान किया था। इसमें 65 पदाधिकारियों की घोषणा की थी।

2027 में उत्तर प्रदेश और गुजरात में बीजेपी के सामने सत्ता बरकरार रखने, जबकि पंजाब में अपना आधार मजबूत करने की चुनौती होगी। ऐसे में इन तीन राज्यों के लिए नए प्रभारियों की नियुक्ति को बीजेपी की शुरुआती चुनावी तैयारियों और संगठन को मजबूत करने की कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश- 403 विधानसभा सीटों वाले राज्य में अगले साल फरवरी-मार्च में चुनाव होने की संभावना है। यहां फिलहाल बीजेपी की सरकार है और योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को राज्य में

झटका लगा था। समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी थी, जबकि बीजेपी 33 सीटों पर रह गई थी। ऐसे में 2027 का चुनाव बीजेपी के लिए राज्य में सत्ता बरकरार रखने के साथ 2024 के लोकसभा प्रदर्शन के बाद अपनी पकड़ मजबूत करने की बड़ी परीक्षा माना जा रहा है। पंजाब-117 विधानसभा सीटों वाले पंजाब में अगले साल फरवरी में चुनाव होने हैं। राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है और भगवंत मान बुलडोजर कार्यवाई के विधानसभा चुनाव में एएपी ने 92 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया था। 2027 में

बीजेपी भी सभी 117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी है। ऐसे में पंजाब में मुकाबला बीजेपी के लिए संगठन विस्तार और सत्ता में मौजूद एएपी के सामने अपनी स्थिति मजबूत करने की चुनौती वाला होगा। गुजरात-182 विधानसभा सीटों वाले गुजरात में दिसंबर 2027 तक चुनाव होने की संभावना है। यहां बीजेपी की सरकार है। भूपेंद्र पटेल मुख्यमंत्री हैं। 2022 के चुनाव में बीजेपी ने 156 सीटें जीतकर रिकॉर्ड बहुमत हासिल किया था। पार्टी के लिए 2027 में इस प्रदर्शन को दोहराना बड़ी चुनौती होगी।

पटवारियों की मांगों को लेकर जहाजपुर में आवाज बुलंद, अध्यक्ष नारायण लाल धाकड़ के नेतृत्व में सौंपा ज़ापन

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। राजस्थान पटवार संघ की विभिन्न मांगों एवं समस्याओं के समाधान को लेकर मंगलवार को जहाजपुर उपशाखा के पटवारियों ने अध्यक्ष नारायण लाल धाकड़ के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी के माध्यम से राजस्व मंडल अजमेर के निबंधक के नाम ज़ापन सौंपा। पटवारियों ने मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी भी दी। ज़ापन में बताया गया कि पटवार



संघ की मांगों एवं समस्याओं को लेकर पूर्व में भी सरकार एवं राजस्व विभाग को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं

होने से पटवारी वर्ग में नाराजगी एवं असंतोष व्याप्त है। संघ ने बताया कि 15 जुलाई 2026 के बाद मांगों के निराकरण के लिए बैठक आयोजित

करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पटवारियों ने ज़ापन में डीसीएस गिरदावरी में आ रही समस्याओं का समाधान एवं आवश्यक संशोधन, बकाया मानदेय का तत्काल भुगतान, गिरदावरी लोक होने पर मानदेय भुगतान, सॉफ्टवेयर एवं पटवारी वर्ग की सुरक्षा के लिए प्रशासन को दिशा-निर्देश जारी करने सहित विभिन्न मांगों रखीं। इसके साथ ही पटवारी पद को तकनीकी पद घोषित कर ग्रेड पे 3600 एवं पे लेवल-10 देने, पटवारी संवर्ग के

पदोन्नति अवसर बढ़ाने के लिए कैडर पुनर्गठन करने, प्रत्येक ग्राम पंचायत में पटवार मंडल सृजित करने तथा नगरीय निकायों एवं अन्य विभागों में पटवारी, भू-अभिलेख निरीक्षक, नायब तहसीलदार एवं तहसीलदार के पद सृजित करने की मांग की गई। ज़ापन में पटवारियों को मिलने वाले बहुआयामी भत्ता, दोहरा कार्य भत्ता, विशेष भत्ता एवं स्टेशनरी भत्ता सहित अन्य भत्तों में वृद्धि करने तथा पटवारी संवर्ग के लिए ग्रामीण क्षेत्र भत्ता एवं डेपुटेशन अलाउंस शुरू करने की मांग भी रखी

गई। इसके अलावा सभी बकाया पदोन्नतियां करने एवं भविष्य में समयबद्ध पदोन्नति के लिए कैलेंडर जारी करने तथा राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम एवं नियमों से संबंधित स्थानांतरण नीति को स्पष्ट करने की मांग की गई। पटवार संघ ने चेताया कि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर संगठन के निर्देशानुसार आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा। अध्यक्ष नारायण लाल धाकड़ के नेतृत्व में ज़ापन सौंपने के दौरान जहाजपुर उपशाखा के पटवारी मौजूद रहे।

घाटारानी माताजी धाम को 8.61 करोड़ की ‘विकास सौगात’, अब बदलेगा धाम का स्वरूप



सामुदायिक भवन, घाट कुंड, सुरक्षा दीवार और सीसी रोड सहित होंगे करोड़ों के विकास कार्य

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। जन-जन की आस्था के प्रमुख केंद्र एवं शक्तिपीठ घाटारानी माताजी धाम के विकास को लेकर बड़ी सौगात मिली है। धाम में करीब 8 करोड़ 61 लाख रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं भूमिपूजन किया गया। करोड़ों रुपए के इन कार्यों से मंदिर परिसर का कायाकल्प होने के साथ श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। प्रस्तावित कार्यों में सामुदायिक भवन, घाट कुंड, सुरक्षा दीवार, सीसी रोड सहित विभिन्न निर्माण एवं आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कार्य शामिल हैं। कार्य पूरे होने के बाद धाम का स्वरूप और अधिक विकसित एवं आकर्षक होगा।

श्रद्धालुओं में उत्साह, धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

घाटारानी माताजी धाम के विकास को लेकर लंबे समय से सुविधाओं के विस्तार की मांग की जा रही थी। अब 8.61 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की शुरुआत से श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह विकास कार्य घाटारानी माताजी धाम के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। इससे श्रद्धालुओं को सुविधाएं मिलने के साथ क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। आने वाले समय में घाटारानी माताजी धाम आस्था के साथ-साथ प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में नई पहचान बना सकता है।

सावन के रंग में रंगा सुवालका सहेली वलब, प्रियंका बनीं ‘मिसेज सावन 2026’

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) सुवालका सहेली क्लब भीलवाड़ा की ओर से निजी रिसोर्ट में सावन महोत्सव हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में क्लब की सदस्याएं रंग-बिरंगे लहरीय परिधानों में सज-धजकर शामिल हुईं और सावन के पारंपरिक रंगों को जीवंत कर दिया। महोत्सव के दौरान संगीत, नृत्य, मनोरंजक गेम्स, सावन प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संगीत और मनोरंजक खेलों के बीच कार्यक्रम स्थल पर पूरे समय उत्सवी माहौल बना रहा। सावन से जुड़ी प्रतियोगिता में प्रियंका सुवालका को ‘मिसेज सावन 2026’ चुना गया। क्लब संचालिका नूतन सुवालका ने प्रियंका को ताज पहनाकर सम्मानित किया। वहीं गेम्स प्रतियोगिता में नीलम एवं प्रियंका विजेता रही, जिन्हें पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। क्लब संचालिका नूतन सुवालका ने बताया कि सावन महोत्सव का उद्देश्य महिलाओं को आपसी मेल-जोल, मनोरंजन और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देना है। आयोजन के दौरान सदस्याओं ने सावन के गीतों पर नृत्य कर जमकर आनंद लिया। महोत्सव का आयोजन ज्योति सुवालका मॉडल द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब सदस्य शालिनी, साना, अभिलाषा, शोला, आशा, पवन, शेफाली,प्रियंका एवं ज्योति सुवालका सहित सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।



नाबालिग से गैंगरेप मामले में निष्पक्ष जांच की मांग



भाजपा नेत्री पूजा भारती छबड़ा ने SDM व CO से की मुलाकात, नशे और बढ़ते अपराध पर भी सख्ती की मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा /सुरतगढ़ (महेन्द्र नागौरी)। नाबालिग बच्चों से गैंगरेप के मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर भाजपा नेत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष शराबबंदी व नशाबंदी आंदोलन पूजा भारती छबड़ा ने सुरतगढ़ SDM भरत जयप्रकाश मीणा एवं नवनियुक्त CO पारस चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार के साथ मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग रखी। साथ ही शहर में बढ़ते नशे के कारोबार और अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा नशा तस्करी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान आंदोलनकारी रामप्रकाश डाबला, समाजसेवी गोपी बागेल व दुलाराम डूडी सहित पीड़ित परिवार मौजूद रहा। अधिकारियों ने निष्पक्ष कार्रवाई और नशे-अपराध पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने का भरोसा दिलाया। छबड़ा ने कहा कि सुरतगढ़ की बेटियों की सुरक्षा और शहर को नशामुक्त- अपराधमुक्त बनाने की लड़ाई लगातार जारी रहेगी।

ब्यावर में ANTF और पुलिस की ऐतिहासिक कार्रवाई 4.30 करोड़ की 85 किलो अफीम जब्त, 14 जाबांजों की टीम ने नाकाम किया तस्करी का बड़ा मंसूबा

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर/जैतारण। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) और ब्यावर जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने नशीले पदार्थों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 85.380 किलोग्राम अवैध अफीम जब्त की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस अफीम की कीमत करीब 4 करोड़ 30 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने मौके से तस्करी में प्रयुक्त स्कॉपीयो गाड़ी और पुलिस को गुमराह करने के लिए रखी गई 6 फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद की हैं। टायर बर्स्ट होने पर भी 10 KM भगाई गाड़ी एएनटीएफ पाली के कांस्टेबल दिनेश ढाका को गुप्त सूचना मिली थी कि बर से जैतारण की तरफ एक काले रंग की स्कॉपीयो (25 BH 2857M) में बड़ी मात्रा में अफीम ले जाई जा रही है। एएनटीएफ टीम ने नाकाबंदी कर स्टॉप सिंक से गाड़ी के टायर बर्स्ट कर दिए, लेकिन तस्करी पंक्कर



गाड़ी को ही 10 किलोमीटर तक भगा ले गए। आखिरकार खिनावड़ी सरहद स्थित गोचर भूमि में गाड़ी छोड़कर दो तस्करी अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने गाड़ी से 8 कट्टों और एक थैले में बंद 85.380 किलो अफीम का दूध

जैतारण), वागाराम (हेड कांस्टेबल नं. 25, ए.एन.टी.एफ. चौकी पाली),शिवनारायण (कांस्टेबल नं. 637, थाना जैतारण), किसनाराम (कांस्टेबल नं. 537, थाना जैतारण),विकास (कांस्टेबल नं. 506, थाना जैतारण), राजेश (कांस्टेबल नं. 418, थाना जैतारण),हेमराज (कांस्टेबल नं. 663, थाना जैतारण),दिनेश ढाका (कांस्टेबल नं. 288, ए.एन.टी.एफ. चौकी पाली),मनोज कुमार (कांस्टेबल नं. 269,भूपेन्द्र (कांस्टेबल चालक, ए.एन.टी.एफ. चौकी पाली),अजीत सिंह (कांस्टेबल नं. 255, ए.एन.टी.एफ. चौकी पाली),रमेश गोदारा (कांस्टेबल नं. 221, ए.एन.टी.एफ. चौकी पाली) एडडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज जैतारण थाने में प्रकरण संख्या 358/2026, धारा 8/18 NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच डिप्टी एसपी जैतारण रमेश सिंह हाडा कर रहे हैं। फरार अभियुक्तों की तलाश में लगातार छापेमारी जारी है।

आयुर्वेद औषधालय में अनियमितताओं की शिकायत पर विभागीय टीम ने की जांच

चिकित्सक के नदारद रहने, औषधालय बंद मिलने और गलत झंडारोहण की शिकायत पर पहुंचे उपनिदेशक

स्मार्ट हलचल

हरनावदाशाहजी। कस्बे में स्थित राजकीय आयुर्वेद औषधालय के चिकित्सक के नदारद रहने, औषधालय के अक्सर बंद मिलने तथा स्वतंत्रता दिवस पर गलत तरीके से झंडारोहण किए जाने की शिकायतों के बाद मंगलवार को आयुर्वेद विभाग के अधिकारियों ने औषधालय पहुंचकर जांच की। विभागीय टीम को जांच के दौरान कुछ अनियमितताएं भी सामने आईं, जिनकी विस्तृत जांच के बाद आवश्यक विभागीय कार्रवाई की बात कही गई है। जांच के लिए पहुंचे आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक वरेंद्र सोहाया ने बताया कि कस्बे के आयुर्वेद औषधालय में नियमित रूप से ताला नहीं खुलने तथा वहां कार्यरत वैद्य हरिसिंह मीणा के आए दिन नदारद रहने की शिकायत विभाग को मिली थी। इसके अलावा 15 अगस्त को गलत तरीके से ध्वजारोहण किए जाने की शिकायत भी सामने आई थी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उपनिदेशक वरेंद्र सोहाया



मंगलवार को सहायक निदेशक कमलेश कंवेरिया के साथ औषधालय पहुंचे और मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं एवं शिकायतों से जुड़े बिंदुओं की जांच की। इस दौरान ग्रामीणों के बयान भी लिए गए तथा औषधालय की कार्यपणाली से संबंधित जानकारी जुटाई गई। अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान सामने आई अनियमितताओं को भी जांच में शामिल किया गया है। उपनिदेशक ने कहा कि पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी और तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आवश्यक विभागीय कार्रवाई की जाएगी।विभागीय अधिकारियों के औषधालय पहुंचने से ग्रामीणों में भी उम्मीद जगी है कि लंबे समय से चली आ रही शिकायतों का अब समाधान होगा और औषधालय की व्यवस्थाओं में सुधार किया जाएगा।

नशे की लत पूरी करने के लिए बुजुर्ग से मोबाइल छीना, आरोपी मुकेश गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। बर बस स्टैंड पर 73 वर्षीय बुजुर्ग की जब से मोबाइल छिनकर फरार हुए आरोपी को बर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी मुकेश पुत्र भीखाराम, उम्र 33 वर्ष, निवासी विराटिया कला, थाना बर, जिला ब्यावर के कब्जे से छीना गया औपों ए।18 मोबाइल भी बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी नशे की लत पूरी करने के लिए वारदात को अंजाम देता था। पुलिस महानिरीक्षक अजमेर रंज अजमेरें डॉ. रवि सम्भल

आईपीएस के आदेशानुसार तथा जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर रतनसिंह आईपीएस के निर्देशन में कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्यावर डॉ. अनुकूति उज्जैनिया एवं वृत्ताधिकारी रायपुर बंशीलाल पाण्डर आरपीएस के निष्कटतम सुपरविजन में बर थाना पुलिस ने आरोपी को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 16 अगस्त 2026 को विराटिया खुर्द निवासी पूराराम पुत्र गुमानराम, उम्र 73 वर्ष ने बर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वह बर से निमाज अस्पताल जाने के लिए बर स्टैंड पहुंचा था। बर बस

चढ़ने के दौरान अज्ञात व्यक्ति उसकी पेंट की जेब से औपों ए।18 मोबाइल निकालकर छिन ले गया और डाक बंगला बर की गली की ओर फरार हो गया। रिपोर्ट पर थाना बर में प्रकरण संख्या 127/2026, धारा 304(2) बीएनएस में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने पूर्व में मोबाइल झपटमारी एवं चोरी के मामलों में संदिग्ध एवं चालानुसूदा आरोपियों की जानकारी जुटाने के साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का

विरलेषण किया। पुलिस को आरोपी के संबंध में पुख्ता जानकारी मिलने पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुकेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने प्रकरण में शत-प्रतिशत माल मशरूका बरामद कर लिया है। आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी मुकेश के विरुद्ध पूर्व में भी विभिन्न धानों में चोरी, आबकारी अधिनियम, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज रहे हैं। आरोपी के विरुद्ध थाना रायपुर, थाना ब्यावर सिटी, थाना जैतारण तथा थाना

अफीम किसानों के लिए इसी माह किसान संघ मिलेगा वित्तमंत्री और मुख्यमंत्री से,योजना बैठक संपन्न

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / अफीम किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ अफीम आयाम चित्तौड़ प्रांत की महत्वपूर्ण बैठक चित्तौड़गढ़ में राजस्थान प्रदेश अफीम आयाम प्रमुख बदीलाल जाट भीलवाड़ा की अध्यक्षता में हुई,बैठक में चित्तौड़ प्रांत सहित चित्तौड़गढ़,भीलवाड़ा और प्रतापगढ़ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में विचार विमर्श कर तय किया गया कि अफीम किसानों के लिए इसी अगस्त माह में भारतीय किसान संघ अफीम आयाम की टोली देश के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण,वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलकर अफीम किसानों की अभी तक की सारी प्रमुख समस्याओं के एक साथ समाधान की मांग करेंगे,मांगो को लेकर उचित समाधान की सहमति नहीं बनेगी तो आने वाले समय में सभी अफीम किसानों को साथ लेकर बड़ा आंदोलन होगा।



वार्ता में ये रहेगी प्रमुख मांगें

1. डोडा चूरा को एनडीपीएस एक्ट से निकालकर राज्यों के आबकारी एक्ट में 2. एनडीपीएस एक्ट की 8 / 29 धारा को पूरी शामिल किया जाए क्योंकि डोडा चुरा में 0.2' ही नशा होता है जो किसी भी लेब में प्रतिशत के रूप में दिखाई भी नहीं देता है। और इसे राज्य

सरकारों ने पूर्व में लगभग 30 वर्षों तक राशन की दुकानों की तरह बेचा है। 2. एनडीपीएस एक्ट की 8 / 29 धारा को पूरी तरह से हटाया जाए यह धारा निर्दोष किसानों के लिए नासूर बनी हुई है। 3. किसानों को रोजगार देने के लिए 5 लाख

नए लाइसेंस जारी किये जाए। 4. 1990 से अभी तक के वर्षों के पुराने कटे हुए अथवा स्के हुए सारे पट्टे किसानों को जोरो औसत पर जारी किये जाए। 5. सीपीएस पद्धति पूरी तरह से बंद की जाए और सीपीएस पद्धति वाले सभी लाइसेंस अफीम गोंद निकालने के लिए लुवाई चिराई में जारी किया जावे। 6. अफीम किसानों को सरकार प्रति किलो पर कम से कम 10 हजार रुपए दे क्योंकि इसमें लागत बहुत ज्यादा आ रही है वर्तमान में सरकार नाम मात्र के पैसे दे रही है जो ऊंट के मुंह में जौरे के समान है। 7. मॉर्फिन का नियम पूरी तरह से बंद किया जाए अथवा 3.5 से अधिक मॉर्फिन आने पर उन सभी किसानों को लाइसेंस जारी रखे जाए। 8. राजस्थान सरकार डोडा चूरा नष्टीकरण का हर वर्ष अखबारों में विज्ञापन निकालना बंद करे इससे किसानों के सरकार के विरोध में बड़े आंदोलन हो रहे हैं वहीं मध्य प्रदेश में ऐसा कोई विज्ञापन नहीं निकलता है,पूर्व में किसानों ने जो

डोडा चूरा स्वत खेतों में डालकर नष्ट किया है उसका 700 रुपए प्रति किलो से पैसा दिया जाए फिर आगे के नष्टीकरण की बात हो पूर्व में ठेका पद्धति से 125 रुपए प्रति किलो किसान को मिलते थे। अफीम किसानों के इन प्रमुख विषयों को लेकर जो मंथन हुआ उस दौरान बैठक में भारतीय किसान संघ अफीम आयाम राजस्थान प्रदेश प्रमुख बदीलाल जाट भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ अफीम आयाम प्रमुख भुरालाल धाकड़,चित्तौड़ प्रांत जैविक प्रमुख गोपाल लाल खटवड़ प्रतापगढ़, किसान संघ चित्तौड़ प्रांत महामंत्री अंबालाल शर्मा, प्रांत बीमा प्रमुख राजेश शर्मा,प्रांत कोषाध्यक्ष प्रकाश चंद्र मेहता, प्रांत संगठन मंत्री परमानंद, पूर्व प्रांत युवा प्रमुख सोहनलाल आंजना निंबाहेड़ा, जिला मंत्री लाभचंद धाकड़,गंगार तहसील अध्यक्ष सुरेश चंद्र शर्मा,बांसवाड़ा संभाग उपाध्यक्ष सीताराम डांगी प्रतापगढ़,किशन लाल शर्मा उपस्थित रहे।

काठोड़िया झांतला माताजी धर्मशाला में लिया गया नशामुक्त कार्यक्रम रखने का संकल्प

स्मार्ट हलचल

मेवाड़ शाहपुरा, काठोड़िया झांतला माताजी धर्मशाला निर्माण समिति के तत्वावधान में आज आयोजित बैठक में राजस्थान राव, भाट और बारहट समाज के पंचों तथा वरिष्ठ समाजजनोंने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि अब से समाज के किसी भी सामाजिक कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की नशीली वस्तु या शराब का सेवन नहीं किया जाएगा। बैठक में उपस्थित पंचों ने कहा कि सामाजिक कार्यक्रम समाज की एकता, संस्कार और भाईचारे का प्रतीक होते हैं। अतः इन आयोजनों को नशामुक्त बनाकर समाज में एक स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने और नई पीढ़ी के लिए सकारात्मक संदेश देने का उद्देश्य रखा गया है। पंचों ने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और शिक्षा, संस्कार



तथा समाज के विकास में सक्रिय योगदान दें। पंचों ने कहा, 'नशामुक्त सामाजिक आयोजन ही स्वस्थ, संस्कारित और मजबूत समाज की पहचान है।' इस निर्णय को मेवाड़ शाहपुरा क्षेत्र में सामाजिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया, जो अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणास्पद उदाहरण बन सकता है। **बैठक में प्रमुख उपस्थित लोग** - देव किशन नारेड़ा - जगदीश नारेड़ा - प्रकाश छाजवात

- जगदीश हीरावत - देवी लाल चौधरी - रामेश्वर ब्रह्मणी - लादु लाल मोटिया - दुर्गा लाल मुंदड़ेत साथ ही समस्त राव समाज नवयुवक मंडल, मेवाड़ शाहपुरा इकाई के प्रतिनिधि उपस्थित थे। समिति ने निर्णय के अनुपालन और जागरूकता के लिए समाज के भीतर प्रचार-प्रसार, भेंट-वार्ता तथा आवश्यकताअनुसार मार्गदर्शन सत्र आयोजित करने का भी संकल्प लिया है।

जैसी संगत बैठिए तैसो ही फल देत : साध्वी श्री प्रतिभा श्रीजी



स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभुपुरा। शंभुपुरा। उपनगरीय क्षेत्र सैती स्थित शांति भवन में चातुर्मासिक प्रवचन के दौरान साध्वी श्री प्रतिभा श्री जी आदि ठाणा 4

के प्रवचन जारी है। आपने भक्तमार स्रोत के विवेचन में फरमाया कि संतसंगति ही सुगति दिलाते में सहायक है। भक्त शिरोमणी आचार्य श्री मानतुंगदेव भक्ति रस में डुबकर स्थले पुष्प और पूर्णमासी चन्द्रमा की भांति प्रसन्नचित होकर प्रभु आदिनाथ के चरणों में आठवाँ भक्ति पुष्प समर्पित कर रहे हैं। आपका यह स्रोत महाप्रभावशाली है। निश्चय ही पापों का नाश करने में रामबाण औषधी के समान है। सत्य स्वरूप को प्राप्त करने की ईच्छा करने वाले उन्हीं सज्जन पुरुषों का हरण कर संकेगा जो आपके स्वरूप में प्रभुदित भावों में तल्लीन है। जैसे कमलिनी के पते पर पड़ी हुई औंस बूँद सूर्य किरण के कारण दूर से देखने वालों को मोती की भांति मन को लुभाती है यही सत्संग का प्रभाव है। किसी ने सही ही कहा है, जैसी संगत बैठिए तैसा ही फल देत। उन्होंने बताया कि आचार्य मानतुंग स्तुती में प्रभु की महानता और प्रभावता स्वीकार करके स्वयं हल्के सुन्दर उपमित फल बनते हैं जिस स्तुती में हे प्रभु आपका नाम जुड़ जाय वह स्तुती सर्व परम आदर्णीय हो ही जाती है। सर्वत्र उसका गुंजायमान होने लगता है। महाराध्वी जी श्री प्रतिभा श्री जी म सा आदि ठाणा के दर्शनार्थ पथारे जैन क्राफेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल जैन व राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष जसवंत जैन का श्री संघ सैती ने अभिनंदन किया। श्री संघ प्रवक्ता रोशनलाल चौपड़ा ने बताया कि प्रतिदिन नवकार मंत्र जाप की श्रृंखला में 19 अगस्त के जाप के लाभार्थी चंदमल नन्दलाल,बालचन्द, प्रकाश, सुनिन, हार्दिक बोलिया रहेंगे। जाप में अधिकाधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ लेने का आह्वान किया।

आजाद भारत में देवपुरिया की राह में पानी, बच्चों से लेकर गर्भवती महिलाओं तक की परेशानी

4 किमी का रास्ता पानी में डूबा, सड़क तक पहुंचने के लिए गर्भवती महिलाओं को भी उठाकर लाना पड़ता है मुख्य बाजार काछोला जाने का भी यही रास्ता

स्मार्ट हलचल

आकोला (रमेश चन्द डाड) ग्राम पंचायत सरथला में शामिल हुए देवपुरिया गांव के ग्रामीणों के लिए बारिश राहत के बजाय परेशानी लेकर आई है। गांव से स्कूल एवं मुख्य सड़क तक जाने वाला करीब 4 किलोमीटर का सीधा रास्ता पानी से भरा हुआ है। इसी रास्ते से रोजाना 10 से 15 बच्चे स्कूल आने-जाने को मजबूर हैं। पानी अधिक होने पर बच्चों को करीब 10 किलोमीटर का चक्कर लगाकर स्कूल पहुंचना पड़ता है। समस्या सिर्फ स्कूली बच्चों तक सीमित नहीं है। गर्भवती महिलाओं और मरीजों को भी बारिश के दौरान भारी परेशानी उठानी पड़ती है। गांव



तक वाहन नहीं पहुंच पाने के कारण गर्भवती महिला को करीब 4 किलोमीटर दूर सड़क तक लाना पड़ता है, इसके बाद ही वाहन से अस्पताल ले जाना संभव हो पाता है। आपात स्थिति में यह परेशानी गंभीर रूप ले सकती है। देवपुरिया से मुख्य बाजार काछोला

जाने का भी यही प्रमुख रास्ता है। बारिश में रास्ता पानी में डूबने से ग्रामीणों का बाजार, स्कूल, अस्पताल और अन्य जरूरी सेवाओं से संपर्क प्रभावित हो जाता है। जीएसएस अध्यक्ष राधेश्याम कंजर का कहना है कि देवपुरिया गांव पंचायत में जुड़

गया, लेकिन सड़क की समस्या जस की तस बनी हुई है। बच्चों की पढ़ाई, गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा और ग्रामीणों की रोजमर्रा की जरूरतों को देखते हुए इस समस्या का तत्काल समाधान जरूरी है।

अधिकारी मौके पर पहुंचकर देखें हालात

ग्रामीणों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से तत्काल मौके का निरीक्षण कर पानी की निकासी, रास्ते को ऊंचा करने और स्थायी सड़क निर्माण की दिशा में कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल रास्ते की समस्या नहीं, बल्कि बच्चों की शिक्षा और गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है।

लायन कालूलाल सालेचा ने पीएमजेएफ कोष में 95,000 का योगदान दिया, वलब की बैठक में भीलवाड़ा में सम्मानित

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी लायंस क्लब इंटरनेशनल की सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए लायंस क्लब के जोन चेयरमैन लायन कालूलाल सालेचा ने लायंस क्लब इंटरनेशनल फाउंडेशन (एलसीआईएफ) के प्रोग्रेसिव मेल्विन जोन्स फेलोशिप (पीएमजेएफ) कोष में 1,000 अमेरिकी डॉलर, भारतीय मुद्रा में लगभग १95,000 का महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया। यह योगदान समाजसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और ज़रूरतमयों की सहायता के लिए समर्पित भावना को दर्शाता है। **पीएमजेएफ क्या है और इसका महत्व** लायंस क्लब इंटरनेशनल की सेवा यात्रा में मेल्विन जोन्स फेलोशिप (एमजेएफ) और प्रोग्रेसिव मेल्विन जोन्स फेलोशिप (पीएमजेएफ) का विशेष महत्व है। लायंस क्लब इंटरनेशनल के संस्थापक मेल्विन जोन्स के नाम पर स्थापित यह सम्मान उन लायंस सदस्यों की सेवा भावना को



सम्मानित करता है, जो समाज एवं मानवता की सेवा के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक योगदान देते हैं। पीएमजेएफ केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि सेवा को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने का माध्यम है। इसके माध्यम से प्राप्त सहयोग लायंस क्लब

इंटरनेशनल फाउंडेशन (एलसीआईएफ) के जरिए प्राकृतिक आपदाओं में राहत, भूख एवं गरीबी से मुकाबला, दृष्टि संरक्षण, मधुमेह जागरूकता, बाल स्वास्थ्य तथा विभिन्न मानवीय सेवा परियोजनाओं का मजबूत करने में उपयोगी होता है।

एलसीआईएफ – लायंस सेवा का वैश्विक आधार

लायंस क्लब इंटरनेशनल फाउंडेशन (एलसीआईएफ) लायंस क्लब इंटरनेशनल की वैश्विक सेवा गतिविधियों को आर्थिक आधार प्रदान करने वाली संस्था है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आने वाली आपदाओं, स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों और सामाजिक आवश्यकताओं के समय एलसीआईएफ के माध्यम से लायंस संगठन ज़रूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का प्रयास करता है। इसी कारण पीएमजेएफ कोष में किया गया प्रत्येक योगदान केवल किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि विश्वभर में सेवा के लिए एक मजबूत सहयोग माना जाता है।

भीलवाड़ा में विशेष सम्मान

लायन कालूलाल सालेचा द्वारा पीएमजेएफ कोष में 1,000 डॉलर (लगभग १95,000) का योगदान किए जाने पर 16 अगस्त को भीलवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में लायंस क्लब इंटरनेशनल के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा उनका सम्मान किया गया। इस अवसर

पर लायन कालूलाल सालेचा के साथ क्लब अध्यक्ष नरेंद्र जैन एवं भवानीमंडी पालिका अध्यक्ष कैलाश बोहरा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर लायन सालेचा के सेवा समर्पण की सराहना करते हुए इसे लायंस क्लब की मूल भावना हम सेवा करते हैं का उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया। लायन कालूलाल सालेचा ने 2023 में भी 1000 डॉलर एम जे एफ फंड में डोनेट किए थे। सालेचा का यह योगदान न केवल लायंस क्लब के लिए गौरव का विषय है, बल्कि क्लब से जुड़े अन्य सदस्यों एवं समाजसर्वियों के लिए भी प्रेरणादायी है। उनका यह प्रयास यह संदेश देता है कि सेवा केवल किसी एक व्यक्ति या क्षेत्र तक सीमित नहीं होती, बल्कि छोटी-बड़ी सहभागिता के माध्यम से वैश्विक मानव सेवा का हिस्सा बना जा सकता है। लायंस क्लब भवानीमंडी रॉयल परिवार ने लायन कालूलाल सालेचा को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि एवं सेवा योगदान के लिए हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल समाजिक एवं सेवा जीवन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

खाने में छिपकली मिलने की शिकायत पर फूडफार्म में कार्रवाई खाद्य सुरक्षा टीम ने पुराने तेल व बिना लेबल ब्रेड कराई नष्ट, मिठाइयों के भी लिए नमूने

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा टीम ने देलवाड़ा रोड स्थित हर्षित शर्मा फूडफार्म पर उपभोक्ता की शिकायत के आधार पर कार्रवाई की। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण



जयपुर एवं जिला कलक्टर ब्यावर कमल राम मौणा के निर्देश तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत के नेतृत्व में टीम ने प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारायण सिंह ने बताया कि उपभोक्ता की शिकायत में खाने में जहरीली छिपकली पाए जाने की बात सामने आई थी। जांच के दौरान खाद्य पदार्थों के एफएसएस एक्ट के तहत नमूने लिए गए। मौके पर पुराने खाद्य तेल को नष्ट कर दिया गया तथा बिना लेबल वाली ब्रेड भी नष्ट कराई गई। प्रतिष्ठान संचालक को साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देशों की पालना के लिए पाबंद किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में वितरित होने वाली मिठाई एवं लड्डुओं की भी जांच की गई और उनके नमूने लिए गए। सभी नमूने जांच के लिए अजमेर स्थित खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले में विशेष खाद्य शुद्धता अभियान लगातार चलाना जा रहा है। आगामी चरण में होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई की दुकान, कैफे, फल-सब्जी विक्रेताओं, मिर्च-मसाले, खाद्य तेल, अनाज एवं सब्जी मंडी, फास्ट फूड कैबिन तथा समोसा-चकौरी निर्माताओं का निरीक्षण किया जाएगा। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पिस्टल सहित हथियार सप्लायर गिरफ्तार, सप्लाई नेटवर्क का होगा खुलासा

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। अवैध हथियारों के खिलाफ ब्यावर पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए एक हथियार सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना जवाजा एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम ने 23 वर्षीय प्रहलाद सिंह पुत्र ईश्वर सिंह निवासी कालीकांकर, थाना साकेतनगर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल बरामद की। पुलिस के अनुसार 15 अगस्त को मुखबिर से मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को दस्तयाब किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से अवैध पिस्टल बरामद होने पर पुलिस थाना जवाजा में प्रकरण संख्या 236/2026 के तहत धारा 3/25 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पूर्व में भी अवैध हथियार सप्लाई के प्रकरण में वांछित था। इसके अलावा उसके खिलाफ थाना साकेतनगर एवं जवाजा में मारपीट, जानलेवा हमला सहित विभिन्न धाराओं में कई प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपी से हथियार की खरीद-फरोख्त और सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पृच्छाछ कर रही है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक ब्यावर रतन सिंह आईपीएस के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया आरोपीएस के सुपरविजन तथा वृत्ताधिकारी ब्यावर राजेश कसाना के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में जवाजा थानाधिकारी डॉ. नवल किशोर, साइबर सेल प्रभारी सरफराज सहित पुलिस थाना जवाजा एवं साइबर सेल के जवानों का विशेष योगदान रहा।

पारोली थाना पुलिस ने 2100 किलोमीटर दूर पश्चिम बंगाल से वांछित आरोपी को दबोचा

बलात्कार के बाद फोटो-वीडियो एडिट कर सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री वायरल करने का आरोप, आरोपी भूटान बॉर्डर के पास छिपा था

स्मार्ट हलचल

पारोली । पुलिस थाना पारोली में दर्ज बलात्कार एवं सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने के मामले में फरार चल रहे वांछित आरोपी को पुलिस ने करीब 2100 किलोमीटर दूर पश्चिम बंगाल के भूटान बॉर्डर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अपनी पहचान छिपाकर गिरफ्तारी से बचने के लिए वहां छिपा हुआ था। पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा सागर राणा आईपीएस के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा अजुम कायल के निर्देशन तथा कोटडी वृत्ताधिकारी सुरेश डाबरिया के सुपरविजन में कार्रवाई की गई। कार्रवाई थाना प्रभारी सियाराम एवं पारोली थाना प्रभारी कमलेश कुमार के सहयोग से गठित संयुक्त पुलिस टीम ने साइबर सेल भीलवाड़ा की मदद से आरोपी को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार पारोली थाने में दर्ज प्रकरण संख्या 105/2026 में आरोपी नारायण लाल जाट, उम्र 34 वर्ष, निवासी निमेटड़ा, थाना भिमिया, जिला अजमेर के खिलाफ पीठिता से बलात्कार करने तथा फोटो-वीडियो एडिट कर अश्लील फोटो एवं वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में मामला दर्ज है। प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1), 294(2)(ई), 308(2), 318(2), 351(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66ई और 67 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी घटना के बाद गिरफ्तारी से बचने और अपनी पहचान छिपाने की नीकत से अलग-अलग स्थानों पर छिपता रहा। साइबर सेल की तकनीकी सहायता और पुलिस टीम की लगातार कार्रवाई के बाद उसकी लोकेशन पश्चिम बंगाल में भूटान बॉर्डर के पास चिह्नित की गई। इसके बाद पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे अनुसंधान जारी है। कार्रवाई में पुलिस निरीक्षक सियाराम, पारोली थाना प्रभारी उप निरीक्षक कमलेश कुमार, साइबर सेल के सहायक उप निरीक्षक आशीष मिश्रा सहित कास्टेबल गजवीर, विक्रम, अर्जुन राम, विष्णु कुमार एवं मनीष कुमार की भूमिका रही।

विश्वकर्मा पेंशन योजना में 3 हजार की पेंशन, पात्र आज ही कराएं पंजीयन

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, पथ विक्रेताओं एवं लोक कलाकारों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए राज्य सरकार की मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना संचालित है। योजना का लाभ राजस्थान के मूल निवासी 41 से 45 वर्ष आयु वर्ग के पात्र लोगों को दिया जा रहा है। सहायक निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधानी निधि विभाग रामप्रसाद जागिड़ ने बताया कि योजना में पात्र अंशदाता को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद 3 हजार रुपए प्रतिमाह पेंशन मिलेगी। अंशदाता की मृत्यु होने पर पति अथवा पत्नी को 1500 रुपए प्रतिमाह पारिवारिक पेंशन दी जाएगी। योजना में लाभार्थी को प्रतिमाह 100 रुपए अंशदान देना होगा, जबकि 320 रुपए राज्य सरकार की ओर से जमा किए जाएंगे। योजना के लिए आवेदक की मासिक आय 15 हजार रुपए तक होना तथा ई-श्रम कार्ड, आधार कार्ड और स्वयं का बचत बैंक खाता होना आवश्यक है। एनपीएस, पीएफ, ईएसआईसी या अटल पेंशन योजना से जुड़े व्यक्ति और आयकरदाता पात्र नहीं होंगे। पात्र व्यक्ति पंजीयन के लिए राज्य बीमा एवं प्रावधानी निधि विभाग, ब्यावर कार्यालय में आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंच सकते हैं। जन आधार, आधार कार्ड, ई-श्रम कार्ड, बैंक पासबुक, पति/पत्नी का आधार कार्ड और ओटीपी के लिए मोबाइल साथ लाना होगा। योजना की जानकारी के लिए योजना प्रभारी के मोबाइल नंबर 7737929443 पर संपर्क किया जा सकता है। विभाग ने पात्र लाभार्थियों से जल्द पंजीयन करवाकर योजना का लाभ लेने की अपील की है।

चित्तौड़गढ़ व्यापार महासंघ संस्थान की नई कार्यकारिणी घोषित...

प्रतीक बोहरा सचिव, सुनील कोठारी कोषाध्यक्ष बने

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ व्यापार महासंघ संस्थान के अध्यक्ष श्री सुनील जी जागेटिया एवं महामंत्री श्री राजकुमार जी बज ने संरक्षक मंडल एवं संस्थापक समिति के परामर्श से संस्थान की नई कार्यकारिणी 2026 की घोषणा की है। संस्थान मीडिया प्रमुख राजेश सेठिया ने बताया गया कि अध्यक्ष सुनील जागेटिया महासचिव राजकुमार बज ने सभी पदाधिकारियों का चयन उनकी योग्यता, अनुभव एवं व्यापार जगत में दिए गए योगदान के आधार पर किया गया है। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी 2026 में संरक्षक मंडल श्री ओम प्रकाश जी लढ़ा, श्री सुरेश जी श्री श्रीमाल, श्री विनोद जी मलकानी, श्री विजय सिंह जी मेहता, श्री नंदलाल जी बिलोची, श्री

अनिल जी सेठिया अध्यक्ष : श्री सुनील जी जागेटिया - श्री जी कलेक्शन महासचिव : श्री राजकुमार जी बज - विकास एजेंसी संयोजक : श्री राजेश जी विरानी, श्री किरण जी डांगी सचिव : श्री प्रतीक जी बोहरा - कोषाध्यक्ष : श्री सुनील जी कोठारी सह कोषाध्यक्ष : श्री विनीत जी भड़कतीया, श्री आशीष जी सोमानी, श्री नवीन जी पोखरणा, श्री बसंत जी गोयल, श्री मुकेश जी वेद, श्री अशोक जी चिपड़ सह सचिव : श्री मुकेश जी जाट, श्री पुनीत जी जैन, श्री अजय जी साहू बनवार, श्री अविनाश जी भनावत, श्री प्रमोद जी काबरा, श्री मनोज जी हिंंगड, श्री लव जी पोखरणा, श्री विशाल जी सरूपरिया

उपाध्यक्ष श्री लोकेंद्र जी भड़कतीया, श्री मुकेश जी जटिया, श्री प्रहलाद जी जागेटिया, श्री अवंत जी मेहता, श्री मनोष जी बांगड़, ऋषभ डांगी श्री प्रहलाद जी पटवा, श्री राधेश्याम जी अग्रवाल, श्री महेश जी दवदनी, श्री पिंटू जी मोदी, श्री मो. रफोक नगोरी जी, श्री मुकेश जी काबरा, श्री नारोत्तम जी हेड़ा संगठन सचिव श्री रमेश जी लढ़ा, श्री जगदीश जी जाट, श्री मुकेश जी मुंदड़ा, श्री देवराज जी तेली, श्री विपिन जी चिपड़, श्री सत्यनारायण जी सुखवाल, श्री हरीश जी गुरनानी, श्री अनिल जी नाटानी, श्री विवेक जी अग्रवाल, श्री सुशील जी अग्रवाल, श्री अनिल जी मालू, श्री मो. हुसैन, श्री निलेश जी पटवारी, श्री हरप्रदीप सिंह जी सोनी, श्री सतीश जी सोमानी, श्री हरीश जी मेवाणी, श्री हिमांशु जी पोखरणा, श्री राम

किशन जी नाराणियाल, श्री मनोज जी खंडेलवाल मीडिया प्रभारी राजेश जी सेठिया, श्री अजय जी बनवार, श्री रुपेश जी कलंत्री प्रचार प्रसार में श्री विनोद जी चंडक, श्री राजेंद्र जी नाहटा, श्री ऋषि जी उपाध्याय, श्री प्रदीप जी बबेल, श्री राजेंद्र जी पटवारी, श्री सुधीर जी जैन, श्री राजू जी सुहालका, श्री अनिल जी पटवारी, श्री योगेश जी सरस्वत, श्री अशोक जी काबरा, श्री हनुमान जी चौबिसा, श्री कमलेश जी सिंघवी, श्री अनिल जी सुराना सांस्कृतिक सचिव पद पर श्री राजकुमार जी वैद, श्री मोहित जी कचारा, श्री कमलेश जी सिंघवी, श्री विक्की जी कोहली, श्री ललित जी वांगणी, श्री राकेश जी जेथिलिया, श्री आशीष जी कोठारी, श्री वैभव जी मोदी, श्री अंकित जी लढ़ा, श्री राहुल जी अग्रवाल, श्री अप्पल जी चिपड़, श्री अमन जी बांगड़, श्री सुशील जी भड़कतीया महिला कार्य समिति श्रीमती रमिता जी अग्रवाल, श्रीमती शकुंतला जी, श्रीमती रेखा जी मालू इस अवसर पर अध्यक्ष सुनील जागेटिया एवं महामंत्री राजकुमार बज ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बढ़ाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा एवं समर्पण के साथ करेंगे तथा चित्तौड़गढ़ व्यापार महासंघ संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं। संस्थान के मीडिया प्रमुख राजेश सेठिया ने बताया कि नई कार्यकारिणी शीघ्र ही व्यापारियों के हित में विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम एवं योजनाएं शुरू करेंगी

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी राठौर तेली समाज के जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन भवानी मंडी राठौर तेली समाज के तत्वाधान में किया गया जिसमें संपूर्ण झालावाड़ जिले के समाज बंधु सम्मिलित हुए। भवानी मंडी के बांड्या बाग हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में 60 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया जिसमें राजकीय सेवा में चयनित, खेलकूद में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले युवा, एवं कक्षा 10वीं और 12वीं में 85⁺ से अधिक अंक प्राप्त करने वाले बालक और बालिकाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही समाज के महिला पुरुष एवं बच्चों के द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता भी की गई कार्यक्रम में झालावाड़ जिले के प्रत्येक क्षेत्र से अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे। बाहर से पथार अतिथियों ने अपने उद्बोधन में समाज को आर्थिक सामाजिक एवं राजनीतिक रूप से किस प्रकार से सक्षम बनाया जाए उसके लिए अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए अध्यक्ष राधेश्याम गोलानिया के नेतृत्व में सभी समाज बंधुओं ने कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग किया एवं प्रतिभाओं को भविष्य में भी इस तरह के आयोजन कर प्रोत्साहन करने हेतु संकल्प लिया कार्यक्रम का समापन सामूहिक हनुमान चालीसा के पाठ के साथ किया गया एवं अंत में सभी समाज बंधुओं का सामूहिक भोजन का आयोजन किया गया कार्यक्रम में सैकड़ों समाज बंधु एवं माताएं बहने उपस्थित रही



जेआर मेमोरियल स्कूल में पत्रकार स्नेह मिलन समारोह आयोजित



आंवलहेड़ा चौराहा पर श्री सांवरिया राम रसोड़े का हुआ शुभारंभ

सांवरियाजी के पैदल यात्रियों के लिए चाय, नाश्ता, भोजन, विश्राम एवं चिकित्सा सुविधा रहेगी निःशुल्क

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ निकटवर्ती गांव आंवलहेड़ा (बरसी) चौराहा पर सावन मास की एकम के अवसर पर सांवरियाजी के पैदल यात्रियों की सेवा के लिए श्री सांवरिया राम रसोड़े का शुभारंभ किया गया। मंगलवार 18 अगस्त को श्री सांवरियाजी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर ग्रामवासियों के सहयोग से सेवा का विधिवत उद्घाटन किया गया। ग्रामवासी रवि कुमार राव ने बताया कि आंवलहेड़ा चौराहा होकर कोटा, झालावाड़ एवं बुंदी जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री सांवरियाजी के दर्शन के लिए पैदल यात्रा करते हुए गुजरते हैं। पैदल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राम रसोड़े में चाय, नाश्ता एवं भोजन की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही यात्रियों के लिए सोने-बैठने तथा आवश्यक चिकित्सकीय सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। राम रसोड़े की सेवा व्यवस्था में ग्रामवासियों का विशेष सहयोग मिल रहा है। ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं की सेवा को धार्मिक एवं सामाजिक दायित्व बताते हुए आयोजन को निरंतर सहयोग देने की बात कही।



सीकर में 16 साल की नाबालिग से रेप गांजे के साथ युवक को दबोचा, महिला से चेन स्नैचिंग

सीकर सीकर की दादिया थाना पुलिस ने 766 ग्राम गांजे के साथ युवक को गिरफ्तार किया। वहीं जिले में एक 16 साल की नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। साथ ही एक महिला से चेन स्नैचिंग की वारदात हो गई। दादिया थाना पुलिस ने 766 ग्राम गांजे के साथ आरोपी नरेंद्र जागिड़ (30) पुत्र श्रवण कुमार जागिड़ निवासी झीगर छोटी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस को 766 ग्राम गांजा मिला है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ NDPS एक्ट का मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। वहीं जिले में 16 साल की नाबालिग से रेप का सामने आया है। नाबालिग के पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि एक युवक उनकी बेटी को बहला-फूसलाकर ले गया। जिसने उसके साथ रेप किया। आरोपी युवक के 2 साथियों ने भी सहयोग किया। फिरलाहाल पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। सीकर के उद्योग नगर थाना इलाके में महिला की चेन स्नैचिंग का मामला सामने आया है। राधाकिशनपुरा के रहने वाले राजेंद्र प्रसाद ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी सस पड़ोस में बच्चों लाने के लिए गई थी। इसी दौरान पीछे से बाइक पर आए 2 युवकों ने 20 ग्राम की सोने की चेन तोड़ ली। पुलिस ने अब मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

कठूमर में 35 विकास कार्यों का भव्य शिलान्यास, डेढ़ करोड़ से अधिक की लागत से बदलेगी सड़कों की तस्वीर...

स्मार्ट हलचल

कठूमर । नगर पालिका कठूमर परिसर में मंगलवार को विकास कार्यों के शिलान्यास का भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कठूमर विधायक रमेश खोंची ने नगर पालिका क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर होने वाले 35 विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इन कार्यों पर करीब 1 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत प्रस्तावित है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी नरसी लाल मीणा ने बताया कि शिलान्यास किए गए कार्यों में नगर के विभिन्न वार्डों एवं रेला क्षेत्र में सीसी सड़क निर्माण, ग्रेवल सड़क निर्माण, सड़क मरम्मत एवं पेच रिपेयर सहित कई महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से आमजन को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने के साथ नगर के विकास को नई गति मिलेगी।

विभिन्न मार्गों एवं मोहल्लों में होंगे सड़क निर्माण कार्य

शिलान्यास कार्यों की सूची में प्रभु खटीक से मोहनलाल खटीक रोड, ओमसिंह के मकान से रमेश चौधरी बड़का वाले के मकान तक, खिचलन मास्टर मसारी रोड से कर्मचारी कॉलोनी, रेता रोड से मध्यम भारद्वज के मकान तक, सुरेश उपग्रधान रोला के मकान से पोखर होते हुए मंदिर की



ओर, जैन मंदिर के पीछे वाली सड़क तथा आईटीआई कॉलेज से सुरी मंदिर की ओर ग्रेवल सड़क सहित विभिन्न वार्डों में सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य शामिल हैं। इसके अलावा जाटवों के मकान से सूरि मंदिर तक, अशोक हलवाई से बरसता जैन के मकान होते हुए कैलाश फूलवाल मास्टर के मकान तक, प्रभु दुहार मोहन तेली से वीणा पानी स्कूल तक, रेता रोड अशोक खटीक मास्टर से मूलचन्द्र किराड़ सड़क तक, रेता रोड रामसिंह किराड़ से मूलचन्द्र किराड़ तक, स्कूल से जाटव बस्ती ग्राम सामोली तथा खेरली-कठूमर रोड से राजनती पार्श्व के मकान तक, हुबली के मकान से प्रेमसिंह के मकान तक रेला में सीसी सड़क, साहाड़ी वाले पंडित से मदन की धर्मशाला तक सीसी सड़क तथा

शेरसिंह रोतावार के मकान से रामकिशोर, करणसिंह व रूपनसिंह के मकानों तक सीसी सड़क के कार्य भी शामिल हैं। इसी प्रकार राजकीय विद्यालय से मसरघाटी तक ग्रेवल सड़क, विजयपाल सिंह पाण्डे के घर से रमशान तक ग्रेवल सड़क, फूला जाट के मकान से पंडितों तक ग्रेवल सड़क तथा मानोडेरा से सूरजपुरा रोड तक रेला तक सीसी एवं ग्रेवल सड़क, डींग हलवाई से चंदर जाटव तक सीसी सड़क, मुकेश वकील से चंदर जाटव तक सीसी सड़क तथा जयदीप जाटव से चंदर के मकान तक सीसी सड़क के कार्य भी सूची में शामिल हैं। इसके अलावा अशोक जैन

चिराग मेघवाल का जिला स्तरीय सम्मान पर मेघवाल समाज ने किया भव्य अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। सामाजिक सरोकारों, मृत्यु भोज उन्मुलन अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान, मानवाधिकार संरक्षण और जनसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने पर समाजसेवी चिराग मेघवाल को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पृथ्वीराज चौहान स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय सम्मान मिलने की खुशी में मेघवाल समाज के बंधुओं ने निवर्तमान अध्यक्ष जीवन राम मेहरा के नेतृत्व एवं संरक्षक भगवान सहाय जारोडिया के तत्वाधान में चिराग मेघवाल के निवास स्थान पहुंचकर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान जीवन राम मेहरा ने माला पहनाकर, भगवान सहाय जारोडिया ने साफा बांधकर तथा



वरिष्ठजन बाबुलाल गुजरिया ने मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। समाज के युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें मालाएं पहनाकर शुभकामनाएं दीं। समाजबंधुओं ने कहा कि मृत्यु भोज जैसी सामाजिक कुरीतियों के निरुद्ध चिराग मेघवाल द्वारा चलाया जा रहा

जनजागरण अभियान समाज के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उनके कार्यों को जिला स्तर पर सम्मान मिलना पूरे मेघवाल समाज के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर चिराग मेघवाल ने समाज के सभी वरिष्ठजनों, समाजबंधुओं एवं युवा साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता और जनसेवा के कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम में जीवन राम मेहरा, भगवान सहाय जारोडिया, सुरेश धोधावत, बाबुलाल गुजरिया, रमेश मेहरा, अनिल कटारिया, ओमप्रकाश बरवड, नरेंद्र कतिरिया, सुनील धोधावत, प्रदीप मेघवंशी, उमेश जयपाल, गुमान मेहरा, राम मेघवाल, दुर्गाराम मेघवाल, एडवोकेट नरेंद्र बरवड, दीपक राय कर्मालिया, मदन कतिरिया, मोहन प्रकाश कर्मालिया एवं जसवंत कर्मालिया सहित समाजबंधु एवं युवा साथी उपस्थित रहे।

जिंदगी और मौत के बीच जंग: सुनेल CHC में डॉक्टर ने किया जटिल ऑपरेशन, प्रसूता की बचाई जान

स्मार्ट हलचल

धनराज भंडारी सुनेल जब जिंदगी और मौत के बीच महज कुछ मिनटों का फासला हो, तब डॉक्टर का अनुभव, निर्णय क्षमता और साहस मरीज के लिए जीवनदायिनी साबित होता है। ऐसा ही एक गंभीर मामला सुनेल स्थित राजकीय सेटेलाइट हॉस्पिटल में सामने आया, जहां वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. राम भरत मीणा ने अत्यधिक रक्तसाव से जूझ रही प्रसूता का जटिल आपातकालीन ऑपरेशन कर उसकी जान बचा ली। दो बार सिजेरियन के बाद बिगड़ी हालत अस्पताल में भर्ती प्रसूता सोना बाई का पूर्व में दो बार सिजेरियन ऑपरेशन हो चुका था। इस बार प्रसव के लिए स्फुट्ट किए जाने के बाद प्लेसेंटल डेड से अचानक अत्यधिक एवं अनियंत्रित रक्तसाव शुरू हो गया। स्थिति तेजी से गंभीर होती देख चिकित्सकों के सामने



मरीज की जान बचाना सबसे बड़ी चुनौती बन गई। ऐसे मामलों में समय पर रक्तसाव नियंत्रित नहीं होने पर मरीज की स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है और अक्सर उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर करना पड़ता है। लेकिन इस

डॉ. राम भरत मीणा ने तत्काल विशेषज्ञ टीम को सक्रिय किया। टीम में डॉ. दिलीप कुमारवत (एमडी एनेस्थीसिया, एसडीएच भवानीमंडी), डॉ. राम सिंह जाट (डीएनबी पीडियाट्रिक्स, एसडीएच भवानीमंडी), सह-सर्जन एवं ओटी स्टफ शामिल रहे। डॉ. मीणा के नेतृत्व में करीब 15 मिनट के भीतर रक्तसाव को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक उपचार शुरू किया गया। प्रारंभिक दवाओं एवं प्रयासों के बावजूद जब रक्तसाव नियंत्रित नहीं हुआ तो परिजनों की सहमति से आपातकालीन सफ-टोटल हिस्टरेक्टॉमी करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद डॉ. मीणा और उनकी टीम ने सफलतापूर्वक जटिल सर्जरी को अंजाम दिया। ऑपरेशन के बाद प्रसूता के सभी वाइटल्स स्थिर बताए गए।

2018 में भी बचाई थी नवजात की जान

डॉ. राम भरत मीणा का यह पहला चुनौतीपूर्ण मामला नहीं है। वर्ष 2018 में भी सुनेल

CHC में उन्होंने बेहद गंभीर स्थिति में एक गर्भवती महिला के पेट से महज कुछ मिनटों के भीतर बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालकर उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर से वर्ष 2017 में एमएस (स्त्री एवं प्रसूति रोग) की डिग्री हासिल करने वाले डॉ. मीणा लंबे समय से सुनेल क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ब्लड स्टोरेज सेंटर की जरूरत फिर सामने आई इस सफल ऑपरेशन ने चिकित्सकीय टीम की दक्षता के साथ-साथ सुनेल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को और मजबूत करने की जरूरत को भी सामने ला दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार दो या उससे अधिक पूर्व सिजेरियन वाले हाई ब्लड ग्रुपिंग एवं क्रॉस-मैचिंग कर पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण होता है।

दलित-आदिवासी युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने ब्यावर में जागरूकता शिविर आयोजित, 5 ऑनलाइन आवेदन तैयार

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना-2022 के व्यापक प्रचार-प्रसार और पात्र युवाओं को रसरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से मंगलवार को एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, ब्यावर के तत्वाधान में सेन्ट्रल रोड स्थित मेघ मखल परिसर में आयोजित इस शिविर में कुल 51 प्रतिभागियों ने भाग लिया। शिविर के दौरान पात्र आवेदकों को योजना की बारीकियों, ऋण एवं अनुदान प्रक्रिया की जानकारी दी गई। विभाग द्वारा तैयार किए गए फॉर्मों पर हैं 5 पात्र युवाओं के ऑनलाइन आवेदन जमा करवाए गए। इसके साथ ही जिला उद्योग केन्द्र द्वारा संचालित अन्य कल्याणकारी योजनाओं से भी लोगों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र की महाप्रबंधक टीनु शर्मा ने बताया कि इस योजना का मूल उद्देश्य दलित एवं आदिवासी वर्ग के लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें अपना नया उद्योग स्थापित करने में मदद करना है। उन्होंने पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। इस दौरान सहायक प्रशासनिक अधिकारी लीला रावत, महासभा अध्यक्ष अजीत राम गहलोत, संरक्षक अर्जुनलाल दुखडिया, नवयुवक मंडल अध्यक्ष दीपक राय कर्मालिया, प्रबंधक एडवोकेट मोहन प्रकाश कर्मालिया सहित मदन कतिरिया, शंकर जी कटारिया एवं मेरुलाल गहलोत ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान किया। उपस्थित युवाओं ने योजना का लाभ उठाकर स्वयं का उद्यम शुरू करने में गहरी रूचि दिखाई।



कांग्रेस अजा जिलाध्यक्ष एडवोकेट राकेश धारू ने की चित्तौड़गढ़ ग्रामीण ब्लॉक कार्यकारिणी की घोषणा

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़, अखिल भारतीय कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम, प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री ममता भूपेश, पूर्व राज्यमंत्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत एवं संभाना प्रभारी देवेन्द्र दयाल के निर्देशानुसार एवं सहमति से कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के चित्तौड़गढ़ जिलाध्यक्ष एडवोकेट राकेश धारू ने चित्तौड़गढ़ ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष चेतन जटिया द्वारा गठित ब्लॉक कार्यकारिणी की घोषणा की। नवगठित चित्तौड़गढ़ ग्रामीण ब्लॉक कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर नारायणी बाई रेगर, बाबूलाल नायक, मुकेश रेगर, कालूराम जटिया, लोकेश रेगर, रतनलाल सालवी, मोहन नायक, लैहरूलाल जटिया, भोपराज जटिया एवं उदयराम खटीक को मनोनीत किया गया। महासचिव पद पर जगदीश सालवी, मनोहर मेघवाल, मुकेश जटिया, अमित जटिया, उदयराम खटीक, लक्ष्मण भांबी, मोहनलाल सालवी, देवीलाल रेगर, किशनलाल रेगर एवं अनिल राठौड़ को जिम्मेदारी दी गई है। कोषाध्यक्ष पद पर शंभु जटिया को मनोनीत किया गया। वहीं सचिव पद पर निलेश जटिया, रतन जटिया, शंकर रावल, कन्हैयालाल जटिया, गोविन्द जटिया, तुफान रावल, राधु जटिया, कालू हरिजन, नारायण रावल, रतन जटिया, कैलाश रावल, प्रकाश जटिया, रतन भांबी, रतन सालवी, पप्पूलाल छपरीबंद, नारायण जटिया, कमलेश जटिया, भेरूलाल जटिया, सुरेश जटिया, हजारी जटिया, ओमप्रकाश धारू, सचिन धारू एवं अजय धारू को मनोनीत किया गया। विधि सलाहकार के रूप में एडवोकेट नारायण परमार, एडवोकेट किशन मेघवाल एवं एडवोकेट मुकेश रेगर को जिम्मेदारी दी गई है। नवनि्युक्त पदाधिकारियों से संगठन को ग्रामीण क्षेत्र में और अधिक मजबूत बनाने, कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की नीतियों एवं कार्यक्रमों को आमजन तक पहुंचाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई गई।

एपीजे अब्दुल कलाम के व्यक्तित्व विकास पर आधारित ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता सम्पन्न

विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे छात्र-छात्राएं अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लेंगे भाग

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ । पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगरार में एपीजे अब्दुल कलाम के व्यक्तित्व विकास पर आधारित ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य राजेन्द्र कुमार काखानी ने की। प्रतियोगिता प्रभारी शशीप्रभा शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में ब्लॉक के पीईईओ विद्यालयों के विजेता छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता के हिन्दी जुनियर वर्ग में पीएमश्री राउमावि गंगरार के अभिमन्यु शर्मा, हिन्दी सीनियर वर्ग में राउमावि बूढ़ की पूजा अहीर तथा अंग्रेजी सीनियर वर्ग में पीएमश्री राउमावि गंगरार के तनिक टेलर प्रथम रहे। निबंध प्रतियोगिता के हिन्दी जुनियर वर्ग में राउप्रावि पुठोली की राधिका दमाभी, हिन्दी सीनियर वर्ग में रावउ संस्कृत विद्यालय गंगरार की लक्ष्मी सुहालका, अंग्रेजी जुनियर वर्ग में एमजीजीएस गंगरार की मानवी तबियाड़ा तथा अंग्रेजी सीनियर वर्ग में राउमावि बूढ़ की गरिमा लाड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। देशभक्ति एकल गान प्रतियोगिता के जुनियर वर्ग में पीएमश्री राउमावि गंगरार की आंचल सेन तथा सीनियर वर्ग में एमजीजीएस पुठोली की शिवानी लोधा प्रथम स्थान पर रही। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राएं अब जिला स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेंगे। कार्यक्रम का संचालन शिवकुमार कोदली ने किया।

नागचन्द्रेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक, विशेष श्रृंगार एवं छप्पन भोग का आयोजन रुद्राभिषेक व महाआरती में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजा दुर्ग

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़, चित्तौड़गढ़ दुर्ग स्थित श्री नागचन्द्रेश्वर महादेव मंदिर में 17 अगस्त 2026, सोमवार को भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक, विशेष श्रृंगार, छप्पन भोग एवं सुंदरकांड पाठ का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। धार्मिक आयोजन दुर्ग के श्री बाल मानस मंडल के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की अयोध्या वाली प्रतिमा भी विराजित की गई। मंदिर परिसर को फूल-मालाओं से आकर्षक रूप से सजाया गया। भगवान नागचन्द्रेश्वर महादेव का मनोहारी श्रृंगार कर उन्हें फूल, फल एवं विभिन्न प्रकार की प्रसादों का भोग अर्पित किया गया। पंडित एवं पुजारी जुगल किशोर शर्मा ने महाआरती संपन्न कराई। वहीं पुजारी महेश चंद्र शर्मा, दिनेश चंद्र शर्मा एवं सत्यनारायण शर्मा के सानिध्य में विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का अभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। शाम को डमरू, ढोल-नगाड़ों एवं मंजीरों की भक्तिमय धुनों के बीच महाआरती हुई। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव ओ रे ! नमः शिवाय के जयकारों से गुंज उठा। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन करते हुए भगवान शिव की आराधना की और भक्तिरस में लीन हो गए। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण शामिल हुए। हरीश ईनाणी, मनोहर सुधार, भगवान लाल, देवकीनंदन, मुकेश, प्रवेश, प्रीतम, अनिल एवं गोपाल शर्मा सहित अन्य भक्तों ने भगवान नागचन्द्रेश्वर महादेव के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि एवं मंगल की कामना की।

नाथ समाज ने रमेश नाथ योगी एवं गीता देवी का किया स्वागत नई जिम्मेदारियां मिलने पर समाजबंधुओं ने माल्यार्पण कर शॉल एवं उपरना ओढ़ाकर किया अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़, चित्तौड़गढ़ नगर परिषद के पूर्व सभापति रमेश नाथ योगी के राजस्थान कांग्रेस के स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने एवं नगर परिषद चित्तौड़गढ़ की पूर्व सभापति गीता देवी के राजस्थान नाथ समाज की प्रदेश महिला संरक्षक बनने पर नाथ समाज की ओर से दोनों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाजबंधुओं ने रमेश नाथ योगी एवं गीता देवी का माल्यार्पण कर तथा शॉल एवं उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया। समाजजनों ने दोनों को नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। इनमें किशन नाथ सैथी, संजय योगी, नारायण नाथ चंदेदिया, रविन्द्र नाथ योगी, कमलेश नाथ नेतावल, भैरव नाथ नेतावाल, बाबूनाथ फिरखेड़ा, गोपाल नाथ, कमलेश नाथ, रोशन योगी, महेंद्र नाथ, दीपक नाथ, प्रकाश नाथ, जगदीश गोविंद सहित अनेक समाजबंधु मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्व सभापति रमेश नाथ योगी ने स्वागत एवं सम्मान के लिए सभी समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया।

कावेरी जल विवाद: तमिलनाडु को सुप्रीम कोर्ट की दो टूक, कहा- तय हिस्से से ज्यादा पानी मिल चुका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर तमिलनाडु की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की दलीलों पर सवाल उठाए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने सोमवार को सुनवाई के दौरान मौखिक टिप्पणी में कहा कि उपलब्ध आंकड़ों को कुल मिलाकर देखने पर ऐसा लगता है कि तमिलनाडु को उसके निर्धारित हिस्से से अधिक पानी मिल चुका है।

तमिलनाडु सरकार ने अदालत से कर्नाटक को अपने हिस्से का पानी तत्काल जारी करने का निर्देश देने की मांग की थी। राज्य का कहना था कि कम बारिश वाले साल में उसे कावेरी से पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है और इससे सिंचाई प्रभावित हो रही है। तमिलनाडु ने कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) की अनुशंसित मात्रा और कर्नाटक से वास्तविक रूप से मिल रहे पानी को अपनी जरूरतों से कम बताया।

कर्नाटक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम



दीवान ने कहा कि कावेरी बेसिन में पानी की भारी कमी है। उन्होंने अदालत को बताया कि तमिलनाडु को अब तक 14.814 टीएमसी पानी मिल चुका है। कमी है। उन्होंने अदालत को बताया कि तमिलनाडु उनका कहना था कि मौजूदा परिस्थितियों और

अनुपात के आधार पर पानी की उपलब्धता का आकलन किया जाना चाहिए। दीवान ने यह भी बताया कि कर्नाटक ने आने वाले दिनों में कम पानी की भरपाई करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने सभी परिस्थितियों पर विचार करने के बाद पानी छोड़ने के निर्णय में निर्देश दिए हैं।

दोनों पक्षों से फैक्ट शीट, एक सप्ताह बाद सुनवाई

दोनों राज्यों के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के सामने पानी की उपलब्धता और आपूर्ति से संबंधित फैक्ट शीट पेश की। पीठ ने कहा कि उसने दोनों दस्तावेजों की जांच की है और मामले को एक सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। अगली सुनवाई में अदालत के सामने यह स्पष्ट किया जाएगा कि दोनों राज्यों के बीच पानी के प्रवाह और निर्धारित हिस्से की स्थिति क्या रही।

सीएम विजय की कर्ज माफी की घोषणा से तमिलनाडु के किसानों ने की राहत महसूस



-75 हजार रुपए तक का फसल कर्ज माफ करने का किया है ऐलान

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए फसल ऋण माफी योजना का दायरा बढ़ाने का ऐलान किया है। सरकार के 100 दिन पूरे होने के मौके पर मुख्यमंत्री सी. विजय जोसेफ ने सोमवार को विधानसभा में इसकी घोषणा की है। इसके तहत सहकारी बैंकों से 75 हजार रुपए तक का फसल ऋण लेने वाले पात्र किसानों का पूरा कर्ज माफ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विजय ने बताया कि 75 हजार रुपए तक के फसल ऋण पर किसानों को 100 प्रतिशत ऋण माफी का लाभ मिलेगा। यानी इस सीमा तक बकाया फसल

कर्ज रखने वाले किसानों को पूरी राशि चुकाने से राहत दी जाएगी। सरकार ने 75 हजार रुपए से अधिक और एक लाख रुपए तक के फसल ऋण वाले किसानों के लिए भी राहत का प्रावधान किया है। ऐसे किसानों को अधिकतम 75 हजार रुपए तक की कर्ज माफी मिलेगी। इससे छोटे और सीमांत किसानों पर बकाया ऋण का बोझ कम होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में सरकार के 100 दिनों के कार्यकाल के दौरान किसानों के हित में उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए इस योजना को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। सरकार के इस फैसले से सहकारी बैंकों से फसल ऋण लेने वाले बड़ी संख्या में किसानों को सीधे लाभ मिलने की उम्मीद है।

-किरण वेदी ने सता में बैठे नेताओं को दी हिदायत

सरकार बदलने से कुछ नहीं होगा, सत्ता में बैठे लोगों से नागरिक सवाल पूछें

कोलकाता (एजेंसी)। रिटायर आईपीएस अधिकारी किरण वेदी ने कहा है कि देश में बदलाव सिर्फ सरकार बदलने से नहीं आएगा। इसके लिए नागरिकों को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने होंगे और मजबूत समुदाय बनने होंगे। कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने नेताओं से नियमित रूप से टाउन हॉल बैठकें करने की भी अपील की। वेदी गोपबर्पाई स्थित रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर में आयोजित अमृता डायगोमॉरियल लेकर में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में लोगों की भागीदारी केवल मतदान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। नागरिकों को अपने प्रतिनिधियों से सवाल पूछने और उनकी जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

वेदी ने कहा कि नेताओं को हर एक-दो महीने में टाउन हॉल बैठकें आयोजित करनी चाहिए, ताकि वे सीधे जनता की समस्याएं सुन सकें। उन्होंने कहा



कि ऐसी बैठकों को विरोध प्रदर्शन के तौर पर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके मुताबिक, खासकर नई पीढ़ी को अपनी बात रखने और सवाल पूछने का अवसर प्रदर्शन को मदद मिलेगी। उन्होंने नागरिकों के लिए ईमेल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की जरूरत भी बताई। वेदी ने कहा कि जब नेता वोट मांगने के

दौरान जनता की सेवा का वादा करते हैं, तो नागरिकों को उनसे उनके काम और सार्वजनिक धन के इस्तेमाल पर सवाल पूछने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर लोग अपनी समस्याएं सामने नहीं रखेंगे तो समाधान की उम्मीद भी कम हो जाएगी।पूर्व पुलिस अधिकारी ने अपराध और इस जैसी समस्याओं से निपटने में परिवारों और स्कूलों की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने रैंजिट डेवलेफ्यर एसोसिएशन को समुदाय का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए स्थानीय स्तर पर लोगों की सक्रिय भागीदारी को जरूरी बताया। वेदी ने तिहाड़ जेल में अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने कैदियों के पीछे अलग-अलग कहानियां देखीं और कहा लोगों ने गलत फैसले लिए थे। उन्होंने कहा कि नया भारत अनाधिक नहीं बनेगा। यह नागरिकों और नेतृत्व की ओर से धैर्य, साहस, सतकता और सही फैसलों के लगातार प्रयास से तैयार होगा।

जम्मू-कश्मीर में आरक्षण विवाद गहराया, सीएम उमर ने चेताया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ल ने उपराज्यपाल (एल-जी) द्वारा आरक्षण प्रस्ताव को मंजूरी देने में हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी जताई है और जेन-जी प्रोटेस्ट जैसे विरोध प्रदर्शन की धमकी दी है। कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने नेताओं से निर्यामित रूप से टाउन हॉल बैठकें करने की भी अपील की। वेदी गोपबर्पाई स्थित रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर में आयोजित अमृता डायगोमॉरियल लेकर में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में लोगों की भागीदारी केवल मतदान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। नागरिकों को अपने प्रतिनिधियों से सवाल पूछने और उनकी जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

(एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), निर्यंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास रहने वाले लोग, पिछड़े इलाकों के निवासी, दिव्यांगजन और पूर्व सैनिक शामिल थे। लेकिन 2024 में, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर आरक्षण अधिनियम 2004 में संशोधन कर सरकारी नौकरियों में आरक्षण को 43प्रतिशत से बढ़ाकर 70प्रतिशत कर दिया। यह बढ़ोतरी पहाड़ी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने के कारण हुई थी, जिसका गुर्जर और बकरवाल समुदाय ने हमेशा विरोध किया। गुर्जरों को शांत करने के लिए प्रशासन ने एसटी कोटा 10 से बढ़ाकर 20प्रतिशत करने की घोषणा की। इस फैसले से वे समूह नाराज हो

ए गए जो किसी भी आरक्षण के दायरे में नहीं आते थे, क्योंकि उनके लिए केवल 30प्रतिशत नौकरियां ही बचेंगी थीं। इस प्रष्ठभूमि में, उमर अब्दुल्ल की सरकार ने आरक्षण को 50प्रतिशत तक सीमित करने की सिफारिश की। एक कैबिनेट सब-कमेटी ने अक्टूबर 2025 में अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसे कैबिनेट ने मंजूरी दे दी और अगले ही महीने उपराज्यपाल अनास (लोक भवन) भेज दिया। हालांकि, उपराज्यपाल ने इस रिपोर्ट पर कुछ सवाल उठाए थे, जिसका जवाब सरकार ने दे दिया है, लेकिन उसके बाद से इस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है। आरक्षण प्रस्ताव को मंजूरी न मिलने पर उमर अब्दुल्ल ने हाल ही में कहा, उसके बाद क्या हुआ, कोई हमें बताए। क्या इसे मंजूरी

मिल गई है? उम्मीद है कि 'जेन-जी' वाला ट्रेंड यहां भी नहीं फैलेगा। इसके लिए हम ज़ूमिदार नहीं होंगे। हमने अपना काम कर दिया है जे यह अच्छी बात नहीं है कि वे हमारी कैबिनेट के प्रस्तावों को मंजूरी देने में देरी कर रहे हैं या उन्हें दबाए हुए हैं। उन्होंने प्रशासन पर कैबिनेट के प्रस्तावों को दबाने का आरोप लगाया। इस मुद्दे ने जम्मू-कश्मीर की राजनीति में भी उलाल ला दिया है, जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) जैसे दलों ने आरक्षण को तर्कसंगत बनाने का वादा किया है। वहीं, बीजेपी ने अतिनवोंरों और आरक्षित समूहों के कर्मचारियों के लिए पदोन्नति में आरक्षण का वादा किया है। उमर अब्दुल्ल को अपनी ही पार्टी के भीतर और जनता से भी

जब मैं विधायक बना तो अमित शाह बच्चे थे, वह हमें देशभक्ति सिखा रहे: खड़गे

पणजी। (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि जब मैं पहली बार विधायक बना था, तब अमित शाह बच्चे थे और आज हमें देशभक्ति सिखा रहे हैं। अमित शाह अक्सर सोनिया गांधी और गांधी परिवार की आलोचना करते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी धर्म विरोधी है, क्योंकि जब मैं उत्तराखंड गया तो दो दिन बाद मंच का शुद्धिकरण कराया गया। यह शुद्धिकरण रामलीला मैदान में किया गया था, जहां खड़गे ने 8 अगस्त को भाषण दिया था। उन्होंने यह बात दक्षिण गोवा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। बता दें अमित शाह ने 16 अगस्त को कहा था कि कांग्रेस पार्टी मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। बीच में ही कांग्रेस की नेत्री सोनिया जी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने को कहा। बता दें राज्य के 12 मंत्रियों में से 10 पूर्व कांग्रेस नेता हैं, जो पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। गद्गर्ों को वोट मत दीजिए। अगर आप उन्हें वोट देंगे, तो आप भी गद्गार बन जाएंगे। बड़े शहरों के अमीर लोग गोवा में जमीन खरीद रहे हैं। क्या वे इसे आपकी भलाई के लिए खरीद रहे हैं या गोवा का मजाक बनाने के लिए। बाहर से आने वाले लोगों को जमीन खरीदकर मनमानी कीमतों पर घर बनाने और गोवा का शोषण करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। गोवा में ऐसे पर्यटकों का स्वागत होना चाहिए, जो राज्य की संस्कृति का सम्मान और उसकी रक्षा करते हैं।



अभिजीत दीपके को एनडीए में आने का मिला ऑफर

मोदी सरकार में मंत्री ने कहा– हम स्वागत करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के प्रमुख रामदास आठवले ने अपनी पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया है। हालांकि, दीपके को ओर से इस प्रस्ताव पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दीपके और सीजेपी फिलहाल सक्रिय राजनीति से दूरी बनाए रखने की बात कह रहे हैं।

आठवले ने सोमवार को कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपने को पूरा करने तथा समाज और पार्टी को मजबूत करने के लिए दीपके को आरपीआई (ए) में शामिल होना चाहिए। दीपके ने हाल ही में राजनीति में तत्काल प्रवेश से इनकार किया था। उन्होंने हालांकि कहा था कि यदि बड़ी संख्या में लोग चाहेंगे तो वह भविष्य में इस पर विचार कर सकते हैं। जनता की मांग होने पर चुनाव लड़ने की संभावना से भी उन्होंने



इनकार नहीं किया है। सीजेपी ने जून-जुलाई में जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन की अगुवाई की थी। अगस्त के पहले सप्ताह में संगठन ने राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन किया, लेकिन स्पष्ट किया कि फिलहाल इसे राजनीतिगत दल में नहीं बदला जाएगा। संगठन का कहना है कि वह चुनावी राजनीति में उतरने के बजाय जमीनी स्तर पर काम

और जनजागरूकता बढ़ाने पर ध्यान देगा। दीपके ने भी कहा है कि भारत में एक और राजनीतिक पार्टी बनाना फिलहाल समायोजन नहीं है। हालांकि, उन्होंने भविष्य में जनता की मांग के आधार पर अपनी भूमिका बदलने की संभावना खुली रखी है।दीपके ने महाराष्ट्र के हिंगोली जिले स्थित अपने पैतृक गांव से 'स्कूल ठीक करो' अभियान की

नीतीश कुमार पटना लौटते ही सक्रिय, समर्थकों ने लगाए सुपर सीएम जिंदाबाद के नारे

पटना (एजेंसी)। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार इन दिनों सक्रिय नजर आ रहे हैं। राज्यसभा की कार्यवाही में भाग लेने के बाद पटना लौटे नीतीश हर दिन किसी न किसी कार्यक्रम में पहुंच रहे हैं और लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। मंगलवार सुबह वे जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा के घर पहुंचे। उनके पहुंचते ही समर्थकों और कार्यकर्ताओं की भीड़ जुट गई। समर्थकों ने नीतीश कुमार और संजय झा के समर्थन में नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सुपर सीएम जिंदाबाद के नारे भी लगाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नीतीश कुमार ने मुस्कुराते हुए हाथ के इशारे से समर्थकों की घुप रहने के लिए कहा, लेकिन कार्यकर्ताओं का उत्साह कम नहीं हुआ और वे लगातार नारे लगाते रहे। संजय झा के घर पहुंचने के बाद नीतीश ने वहां मौजूद लोगों से मुलाकात की। उन्होंने संजय झा से कहा कि अब आप आ गए हैं। सभी लोगों से मिलिए, कागज लीजिए और मेरे पास आइए। इसी दौरान संजय झा ने नीतीश कुमार को बताया कि लोगों की मांग है कि अक्टूबर से जिलों में दौरा शुरू किया जाए। इस पर नीतीश ने कहाकि पहले सब कर लीजिए। उनके इस संवाद से संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में पार्टी और संगठन से जुड़े कार्यक्रमों को लेकर गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इससे एक दिन पहले नीतीश कुमार मेदांता अस्पताल पहुंचे थे। वहां मौजूद लोगों ने उनसे कहा था कि बिहार आपको बहुत मिस कर रहा है। इसके बाद से नीतीश कुमार लगातार सार्वजनिक रूप से सक्रिय नजर आ रहे हैं। राज्यसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने के बाद पटना लौटे नीतीश कुमार का लगातार लोगों के बीच जाना राजनीतिक रूप से भी चर्चा का विषय बना हुआ है। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच उनकी सक्रियता को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है।



राम मंदिर दान चोरी : चंपत के साथ अनिल मिश्रा को भी क्लीन चिट

लखनऊ (एजेंसी)। राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा को एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट में क्लीन चिट मिल गई है। शासन को सौंपी गई रिपोर्ट में दोनों के नाम शामिल नहीं हैं। अब रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भेज दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, अंतिम रिपोर्ट में केवल उन आठ आरोपियों के नाम हैं, जिन्हें मामले में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा पर सबसे ज्यादा आरोप लगे थे। दबाव बढ़ने के बाद दोनों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की गिनरानी में गठित दूसरी एसआईटी मामले की जांच अभी जारी रखे हुए है।

क रुपेश पाण्डेय, रामांश्वर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और राम शंकर यादव उर्फ टिटू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। अज्ञात आरोपियों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। प्रारंभिक रिपोर्ट में 27 अप्रैल से 5 जून के बीच सीसीटीवी फुटेज में करीब 70 बार कर्मचारियों को नकदी छिपाकर ले जाते हुए दृष्ट किए जाने की बात कही गई थी। जांच में ट्रस्ट और बैंक की संयुक्त मानक कार्यप्रणाली का पालन नहीं होने तथा प्रवेश-निकास पर तलाशी की व्यवस्था न होने का भी उल्लेख था। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने दूसरी एसआईटी को जांच तेजी से पूरी कर सीधे निष्कर्ष तक पहुंचाने का निर्देश दिया है। अदालत ने जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश करने को कहा है। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद भत्तों के दान के प्रबंधन से सुधार के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जा सकते हैं।



सदस्यीय एसआईटी गठित की गई थी। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता वाली टीम में आईजी रंजन किरण एस और विशेष सचिव (वित्त) नील रतन कुमार शामिल थे। एसआईटी की प्रारंभिक जांच में चोरी की पुष्टि हुई थी। करीब 80 लाख रुपये की बरामदगी पुलिस को सूचना दिए बिना किए जाने की बात भी सामने आई थी। 23 जून को प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंपी गई। इसके बाद 25 जून को आठ लोगों के खिलाफ श्रीराम जन्मभूमि थाने में मामला दर्ज किया गया। अविनाश शुक्ला, अनुक्रत्य मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनोष कुमार यादव,



विरोध का सामना करना पड़ है, खासकर तब जब विधायसभा में पेश किए गए आंकड़ों से पता चला कि कश्मीर के मुकाबले जम्मू में

रिजर्वेशन कैटेगरी के ज्यादा सर्टिफिकेट जारी किए गए थे। फिलहाल, सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर यह गतिरोध जारी है।

दिल्ली में घर बसाने का सपना होगा पूरा, तीन आवासीय प्रोजेक्ट पर जल्द शुरू होगा काम



नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली सरकार का लोक निर्माण विभाग (पीछ्ल्यूडी) इस वर्ष गुलाबी बाग, कल्याणवास और बहापुर में तीन बड़े आवासीय प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने की तैयारी में है। इसमें गुलाबी बाग और कल्याणवास परियोजनाएं खास हैं, क्योंकि यहां सरकारी आवास के साथ निजी खरीदारों के लिए भी फ्लैट और व्यावसायिक स्थान विकसित किए जाएंगे। यानी सरकारी जमीन अब सिर्फ सरकारी कर्मचारियों के आवास तक सीमित नहीं रहेगी।



पोडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य सरकारी जमीन का अधिकतम उपयोग कर आधुनिक, स्वच्छ घनत्व वाले आवासीय और मिश्रित उपयोग वाले परिसर विकसित करना है। गुलाबी बाग और कल्याणवास परियोजनाओं से होने वाली आय से निर्माण लागत की भरपाई में मदद मिलने की उम्मीद है। गुलाबी बाग में 70 एकड़ जमीन पर सबसे बड़ा प्रोजेक्ट गुलाबी बाग में करीब 70 एकड़ क्षेत्र में पुराने सरकारी क्वार्टरों को हटकर हाईराइज परिसर विकसित किया जाएगा। यहां करीब 400-500 एकड़आर के आधार पर लगभग

2.25 करोड़ वाफोटो निर्मित क्षेत्र विकासित होने का अनुमान है। इसमें करीब 90 प्रतिशत हिस्सा आवासीय और 10 प्रतिशत व्यावसायिक होगा। व्यावसायिक हिस्से में दुकानें, कार्यालय या मॉल जैसी सुविधाएँ विकसित की जा सकती हैं। आवासीय हिस्से में टाइप-2, टाइप-3 और टाइप-4 सरकारी आवास के साथ निजी खरीदारों के लिए अतिरिक्त फ्लैट भी बनाए जाएंगे।

दिल्ली में डीसीपी के घर में चोरी, सीसीटीवी फुटेज देख पलिस ने चौबीस घंटे में दबोचा



सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगालना शुरू कर दिया।

इसके अलावा मुखाबरी से पूछताछ व तकनीकी गिराना की मदद से पुलिस टीम ने तुरंत आरोपित की पहचान कर 12 अगस्त को इमरान को तैमूर नगर स्थित उसके घर से दबोच लिया। पूछताछ और उसकी निशानदेही पर चोरी का सारा सामान बरामद कर लिया गया। जांच में सामने आया कि आरोपित घर में रसोई के पास मौजूद दरवाजे से दाखिल हुआ था, जिसमें ताला लगाने की सुविधा नहीं थी।

डोसापा के घर से निकलने के बाद आरोपित ने उसी रास्ते का फायदा उठाकर घर में प्रवेश किया और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। पुलिस उससे पूछताछ कर पुराने आपराधिक रिकार्ड और उसके अन्य मामलों में शामिल होने की भी जांच कर रही है।

कट जाएंगे 1 तिहाई दिल्लीवालों के नाम? 24 अगस्त को जारी होगी नई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मतदाता सूची के एसाइआईआर के तहत घर-घर फॉर्म पहुंचाने में अभी 13 जिले एक समान स्तर पर प्रतिस्था रह रहे, लेकिन फॉर्म के डिजिटलीकरण की रफ्तार काफी कम है। 30 जून से शुभचिन्ता फॉर्म वितरण व डिजिटलाइजेशन का अच्छा सोमवार को संपन्न हो गया। इस दौरान दिल्ली के सभी 1,45,10,299 मतदाताओं तक फॉर्म पहुंचाने का काम पूरा हो गया। जगजित, 67.18 फीसदी के साथ अब तक 97,47,879 फॉर्म ही डिजिटलाइज किए जा सके हैं। अभी भी 47.62 लाख रिजिस्टर्ड वोटर्स (बाकी 33%) के फॉर्म का डिजिटलाइजेशन बाकी है। दिल्ली में हर तीन रिजिस्टर्ड वोटर्स में से एक का नाम उस ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं होगा, जिसे 24 अगस्त को जारी किया जाएगा।

अभी डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हुए 6.80 लाख फॉर्म: उसमें भी सबसे आगे और सबसे पीछे जिले के बीच अंतर 19.36 प्रतिशत का है। बाहरी उरर जिले में 75.68 प्रतिशत तक फॉर्म डिजिटलाइज हो चुके हैं, जबकि दक्षिण-पूर्व जिले में

सिर्फ 56.32 प्रतिशत। दक्षिण-पूर्व जिले में कुल 15,57,289 मतदाता हैं। उनमें से 8,77,064 फॉर्म ही डिजिटाइज हुए हैं। यानी करीब 6.80 लाख फॉर्म अभी डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हुए हैं।

यह दिल्ली के सभी जिलों में लॉबित फॉर्म की सबसे बड़ी संख्या है। इसके उलट बाहरी उत्तरी जिले में कुल 8,32,510 मतदाताओं के फॉर्म में से 6,30,030 डिजिटाइज हो चुके हैं। यहां डिजिटाइजेशन दर 75.68 प्रतिशत है, जो सभी जिलों में सर्वाधिक है।

का डिजिटलाइजेशन बाकी। सिर्फॉर्म का प्रतिपक्ष के लहाज से ही नही, फॉर्म की संख्या के मामले में भी जिलों के बीच बड़ा अंतर है। दक्षिण-पूर्व में करीब 6.80 लाख पृष्ठ में करीब 5.71 लाख, उत्तर-पूर्व में 5.44 लाख और दक्षिण में करीब 5.20 लाख लाख फॉर्म अभी डिजिटलाइजेशन से बाहर हैं। यानी इन चार जिलों में ही करीब 23.15 लाख फॉर्म का डेटा डिजिटल होना बाकी है। डिजिटलाइजेशन के दिल्ली औसत

67.18 प्रतिशत से भी छह जिले पीछे हैं।
दक्षिण-पूर्व में 56.32 फीसदी, नई दिल्ली में 60.76, दक्षिण में 61.32, मध्य में 61.96, उत्तर में 64.15 और पूर्व में

64.37 फीसदी फॉर्म ही डिजिटाइज हुए हैं। वहीं, बाहरी-उत्तरी, पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पूर्व और उत्तर-पश्चिम में डिजिटाइजेशन 70 फीसदी से अधिक है।

उत्तर-पूर्व जिला 18,70,748 मतदाताओं के साथ सबसे ज्यादा मतदाताओं वाला जिला है। यहां 13,27,118 फॉर्म ही डिजिटाइज किए गए हैं। जिले का

डिजिटाइजेशन 70.94 फीसदी है। सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग एवं भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने

कहा कि चुनाव आयोग द्वारा 33 प्रतिशत के लगभग फार्मों में अयोग्यता न होने की बातों की स्वीकारना यह साबित करता है कि भाजपा अपने मनसूबे में कामयाब रही है। देवेंद्र फडणवीस यादव का आरोप है कि बीएलओ द्वारा कुलींग-झोपड़ी, गांवों और अनधिकृत कॉलोनीयों में फार्म बांटे ही नहीं गए। इसके चलते 50 से 60 प्रतिशत लोगों को शिफ्ट करना बतकर उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। उन्होंने चुनाव आयोग की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि 2002 से 2026 के बीच दिल्ली की जनसंख्या 1.44 करोड़ से बढ़कर 2.26 करोड़ हो चुकी है। ऐसे में मतदाता सूची के लिए 2002 की मतदाता सूची को आधार बनाया पूरी तरह गलत है। उन्होंने मांग की है कि जिन 33 प्रतिशत लोगों के फार्म नाम नहीं हुए हैं, उनका डेटा उजागर किया जाए। मतदाता सूची में किए गए सभी बदलावों (जोड़ गए, हटाए गए और स्थानांतरित नाम) की जानकारीर सूची जारी होने से पहले पार्टी के बीएलटी को दो दी जाए।

दिल्ली में खौफनाक वारदात: भाई ने बहन की गला घोटकर की हत्या, ब्रीफकेस में बंद कर फेंका शव

थे दिल्ली, एजेंसी। बुराई इलाके में झूठी शान के अहसास चरचेई ने नाबालिग बहन की गला घोटकर हत्या कर भाई और शव ब्रॉफ्रेंसेस में बंद कर सड़क किनारे फेंक दिया। आठरु नार्थ जिला पुलिस को सूचना देकर सोमवार रात शव बरामद कर लिया। आरोपित की पहचान अविनाश (26) के रूप में हुई। वह मुकुंदपुर पार्ट-2 में रहता है और मूलरूप से बिहार के मुकुंदपुर जिले का रहने वाला है। उसने बताया कि आरोपित चचेरी बहन का एक युवक से प्रेम संबंध था। परिवार के लोग उससे एकाग्र थे। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग लड़की अक्सर मोबाइल फोन पर अपने प्रेमी से बातचीत करती थी। नाबालिग पहले दो बार युवक के साथ घर से भाग चुकी थी, जिसे परिवार के लोग तलाश कर वापस ले आए थे। परिवार की परेशानी को देखकर चचेरा भाई अविनाश बहन को अपने साथ मुकुंदपुर ले आया। इसका बाद भी नाबालिग अपने प्रेमी से लगातार संपर्क में थी। इसी बीच अविनाश को

पता चला कि उसकी चचेरी बहन प्रेमी को दिल्ली बुलाने की बात कर रही है। इससे उसका गुस्सा भड़क



गया और उसने बहन की हत्या करने की ठान ली।
रविवार रात वह चचेरी बहन को मुकुंदपुर से सटी एक
कालोनी में दोस्त की दुकान पर ले गया। आरोप है यहां
देर रात उसने चचेरी बहन का गला घोटकर हत्या कर
दी और शव को ब्रीफकेस में बंद कर रख दिया। इसके
बाद सोमवार तड़के करीब चार बजे ब्रीफकेस को

सड़क किनारे फेंक आया। इस बीच आउटर नार्थ स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर विश्वेंद्र कुमार चौधरी को



मुखबिर से सूचना मिली कि अविनाश एक लडकी को लेकर आया था, लेकिन वह सुबह से दिखाई नहीं दे रही है। इस पर स्पेशल स्ट्राफ ने अविनाश को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गया। उसने बताया कि चचेरी बहन के प्रेम संबंध से पुरा परिवार पोषण था। इस लहजे से सुनने चचेरी बहन को पता

केंद्रीयमंत्री जेपी नड्डा के स्वास्थ्य में सुधार, एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग में इलाज जारी

नई दिल्ली, एंजूसी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। वह अभी भी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती हैं और चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और वह पहले की तुलना में बेहतर महसूस कर रहे हैं। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, नड्डा को एम्स से डिस्चार्ज करने को लेकर चिकित्सकों ने अभी कोशिशें अंतिम फैसला नहीं किया है। उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। अपेक्षित सुधार होने और चिकित्सकों के आकलन के बाद ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने का निर्णय लिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को 13 अगस्त की शाम बेचैनी की शिकायत के बाद एम्स में भर्ती कराया गया था। एम्स की ओर से जारी जानकारी के अनुसार नड्डा को बेचैनी की स्वास्थ्यकीय जांच कंई गई, जिसमें कोरोनरी एंजियोग्राफी समेत कई जांच शामिल थी। इसके बाद उन्हें कार्डियोलॉजी विभाग में निगरानी के लिए भर्ती रखा गया। अस्पताल ने उनकी स्थिति को स्थिर बताया था। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने नड्डा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री शिवका गुप्ता भी एम्स पहुंचकर नड्डा से मुलाकात कर चुकी हैं। फिलहाल नड्डा की स्थिति को प्राथमिकता उनके स्वास्थ्य की निगरानी और उपचार जारी रखना है।

हाईकोर्ट से झटका फिर भी कब्जा, राजा गार्डन में डूसिब
की जमीन पर पुराने लाइसेंसी का ढांचा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के प्रमुख इलाके राजा गार्डन में दिल्ली शहरी श्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) की बेशकीमती जमीन से जुड़ा मामला सवालों के घेरे में आ गया है। दो-दो एकड़ क्षेत्रफल वाले पांच भूखंडों पर पुराने लाइसेंसों द्वारा बनाए गए राज होम के ढांचे निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद भी नहीं हटाए गए हैं। वहीं



करीब दो-दो एकड़ के पांच भूखंड हैं। इन भूखंडों को दो वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस शुल्क के आधार पर दिया जाता है। इनमें जिस कंपनी को लाइसेंस दिया गया था, उसका समय जून में समाप्त हो चुका है।

लाइसेंस अर्थात् समाप्त होने के बाद कंपनी ने साइट पर बने अपने ढाँचों को हटाने के बजाय दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था। कंपनी ने कथित तौर पर नई निविदा जारी होने तक वहाँ बने रहने की अनुमति माँगी। इस मामले में 'डूबिस' ने अदालत के सम्मुख अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि निष्पक्ष तरीके से नई निविदा तभी निकाली जा सकती है, जब पुराने लाइसेंसों द्वारा बनाए गए ढाँचे हटा दिए जाएँ और साइट पूरी तरह खाली स्थिति में विभागा को उपलब्ध हो। बताया जा रहा है कि हाई कोर्ट की एकल पीठ ने कंपनी को राहत देने से इनकार करते हुए ढाँचे हटाने के लिए एक सप्ताह का समय दिया था। इसके बाद कंपनी ने मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ का दरवाजा खटखटाया, लेकिन वहाँ से भी उसे राहत नहीं मिली। अब विवाद इस बात को लेकर खड़ा हो गया है कि अदालत द्वारा दी गई अवधि समाप्त होने के बावजूद संबंधित साइट पर पुराने लाइसेंसों के ढाँचे कायम किए गए पर अभी तक मौजूद है।

सुपरटेक के 16 प्रोजेक्ट पर सुनवाई जल्द, एनबीसीसी की याचिका पर नोटिस जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राज्य स्वामित्व वाली एनबीसीसी की उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमति व्यक्त की, जिसमें एनक्लैट के आदेश को खिलाफ अपील की गई थी, जिसने नए गुरुग्राम, नोएडा और ग्रेटर नोएडा समेत सुपरटेक लिमिटेड के 16



आवासीय प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए एर के तहत अनुदानपत्र के जरूरत है भी छूट देने से इनकार किया था। मुख्य न्यायाधीश सुवर्णकांत जोशीज जयमाल्या बागची और बी.मोहन की पीठ ने राष्ट्रीय भवन-विकास निरीक्षण निगम (एनबीसीसी) लिमिटेड द्वारा दायर याचिका पर नोटिसरुम एंटरि कर दिया। जारी किया और केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निदेशक राम किशोर अरोड़ा से जवाब मांगा। एनबीसीसी के लिए उपस्थित अटर्नी जनरलल्लुथन ए.ए.वेंकटरमणि ने कहा कि यह मुद्दा रियल एस्टेट (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) अधिनियम, 2016 (एर) के प्रविधानों से अनुपालन के छूट देने से संबंधित है। पीठ ने कहा कि इस महान पर विचार 24 सितंबर 2016 को किया गया था।

को किया जाएगा और मामले को लंबित मामलों के साथ सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनएलए) ने 12 दिसंबर, 2024 को केंद्रीय आवस और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) एनबीसीसी को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और कर्नाटक के 49,748 घरों के 16 आवासीय प्रोजेक्ट्स को पूरा करने का निर्देश दिया था। लगभग 27,000 घर खरीददार इन प्रोजेक्ट्स में घरों की प्राप्ति व प्रतीक्षा कर रहे हैं। लगभग दो दशकों से अपने सपनों के घरों व डिलीवरी का इंतजार कर रहे हजारों परेशान घर खरीदारी की मदद के लिए 5 फरवरी को शीर्ष अदालत ने एनएलएट के उस आदेश को बदलकर रखा था, जिसमें एनबीसीसी को सुपरलैट के 16 आवासीय प्रोजेक्ट्स को शीघ्रता से पूरा करने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने एनबीसीसी द्वारा पूरा किए जाने वाले निर्माण कार्य को रोकने वाले अल्टीमेटो को भी रद्द कर को पारित करने से सभी न्यायाधिकरणों और उच्च न्यायालयों को आदेश रोक दिया था। राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम (एनबीसीसी) ने एनएलएट के समर्थ सुपरलैट के लॉबी प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए संर्भ व शर्तें प्रस्तुत की थीं। पीएसयू ने 16 प्रोजेक्ट्स को तीन चरणों में पूरा करने का प्रस्ताव दिया था। चरण एक के तहत एनबीसीसी ने डबल विलेज-2 (ग्रेटर नोएडा), रोमनो (नोएडा), केपटाउन (नोएडा) कजार स्वीट्स (ग्रेटर नोएडा), इको विलेज-3 (ग्रेटर नोएडा), सोनदर विलेज (ग्रेटर नोएडा) और इको-सिटी (नोएडा) को पूरा करने का प्रस्ताव दिया था। चरण-2 के तहत एनबीसीसी ने एनएलएट के समर्थ अपने आवेदन के अनुसार नाथआह (नोएडा), अक्वट्री (यमुना एक्सप्रेसवे), इको विलेज-1 (ग्रेटर नोएडा), मेरठ स्पोर्ट्स सिटी (मेरठ) और ग्रीन विलेज (मेरठ) को पूरा करने का प्रस्ताव दिया था।



सावन में घेवर की डिमांड सबसे ज्यादा बढ़ जाती है। अगर आप मीठा खाने की शौकीन हैं, तो कुछ शहरों के घेवर आपको जरूर ट्राई करने चाहिए।

सावन आते ही चारों तरफ हरियाली छा जाती है। त्योहारों की रौनक बढ़ जाती है। इस मौसम में सबसे ज्यादा चर्चा झूले, तीज, रक्षाबंधन और भगवान शिव की पूजा की तो होती ही है, साथ ही एक मिठाई भी सबसे ज्यादा चर्चा में रहती है और उसका नाम घेवर है। गोल डिजाइन, जालीदार बनावट और ऊपर से रबड़ी, मावा या मलाई की लेयर वाला घेवर देखते ही मुंह में पानी आ जाता

है। वैसे तो घेवर को राजस्थान की पहचान माना जाता है, लेकिन अब देश के कई शहरों में अलग-अलग अंदाज में स्वादिष्ट घेवर मिलता है। सावन और तीज के मौके पर इसकी ज्यादा डिमांड रहती है। ऐसे में अगर आप भी स्वादिष्ट घेवर खाना चाहती हैं, तो इन शहरों का मशहूर घेवर जरूर चखें। हर शहर के घेवर का स्वाद और बनाने का तरीका थोड़ा अलग होता है।

सावन में जरूर चखें इन शहरों के मशहूर घेवर का स्वाद

मलाई से लेकर रबड़ी तक सब है खास

जयपुर (राजस्थान) – घेवर का नाम आते ही सबसे पहले जयपुर की याद आ जाती है। माना जाता है कि घेवर की शुरुआत राजस्थान के शाही रसोईघरों से हुई थी। आज भी जयपुर का घेवर पूरे देश में सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। यहां आपको सादा घेवर, मावा घेवर, केसर घेवर और रबड़ी घेवर जैसी कई वैरायटी मिल जाएंगी। सावन और तीज के समय यहां की मिठाई की दुकानों पर लंबी लाइनें लगी रहती हैं। **दिल्ली** – दिल्ली में भी सावन के दौरान घेवर की बिक्री खूब होती है। खासकर पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक, बंगाली मार्केट और गुरुद्वारा बंगला साहिब मार्ग के आसपास कई पुरानी मिठाई की दुकानें खूब स्वादिष्ट घेवर बनाती हैं। यहां रबड़ी और मलाई से सजा हुआ घेवर लोगों को सबसे ज्यादा पसंद आता है। **समालखा, पानीपत (हरियाणा)** – हरियाणा के पानीपत जिले का समालखा भी अपने घेवर के लिए काफी मशहूर है। सावन और रक्षाबंधन के

समय यहां दूर-दूर से लोग घेवर खरीदने के लिए आते हैं। यहां पारंपरिक तरीके से बने घेवर के साथ मावा और रबड़ी वाले घेवर भी खूब पसंद किए जाते हैं। **अहमदाबाद (गुजरात)** – गुजरात में भी पिछले कुछ सालों में घेवर काफी पॉपुलर हुआ है। खासकर अहमदाबाद में तीज और रक्षाबंधन के समय मिठाई की दुकानों पर कई तरह के घेवर मिलते हैं। यहां पारंपरिक घेवर के साथ चॉकलेट और ड्राई फ्रूट वाले घेवर भी पसंद किए जाते हैं। यहां के घेवर काफी बड़े होते हैं और यह जंबो मलाई और पारंपरिक राजस्थानी स्वाद के लिए जाने जाते हैं। **इंदौर (मध्य प्रदेश)** – ये तो आप सभी जानती हैं कि इंदौर अपने खानपान के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां सावन में कई वैरायटी में घेवर बनाई जाती हैं। रबड़ी, मावा और केसर घेवर तो लोगों को खूब पसंद आते हैं।

सावन में घेवर का इतना महत्व क्यों है

राजस्थान, हरियाणा और उत्तर भारत के कई हिस्सों में तीज और रक्षाबंधन जैसे त्योहारों पर घेवर खाने और उपहार में देने की परंपरा काफी पुरानी है। खासकर तीज पर मायके से बेटियों और बहनों के लिए जो सिंजारा भेजा जाता है, उसमें घेवर भी शामिल किया जाता है। यही वजह है कि सावन शुरू होते ही बाजारों में इसकी मांग तेजी से बढ़ जाती है।

घेवर खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

घेवर खाने में बहुत ही स्वादिष्ट लगता है, लेकिन जब आप इसे खरीदें तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। जैसे–

- हमेशा ताजा बना हुआ घेवर ही खरीदें।
- अगर रबड़ी या मलाई वाला घेवर ले रही हैं, तो उसे फ्रिज में रखें।
- ज्यादा समय तक बाहर रखने से इसकी क्वालिटी खराब हो सकती है।
- हमेशा भरोसेमंद दुकानों से ही घेवर खरीदें क्योंकि इस दौरान मिलावट भी बढ़ जाती है।

घर में लगाएं ये पौधे नहीं होंगे मच्छर

अक्सर घर को डेकोर करने के लिए कई तरह के पौधे लगाए जाते हैं लेकिन कई बार इसलिए भी नहीं लगते हैं क्योंकि मच्छर होने लगते हैं। हालांकि घर में पौधे लगाने से ताजगी बनी रहती है। फ्रेश ऑक्सीजन का प्रभाव घर में होता है। घर में भी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। लेकिन सिर्फ मच्छर की वजह से घर में पौधे नहीं लगाना उचित नहीं है। तो आइए जानते हैं कि आप घर में किस तरह के पौधे लगा सकते हैं जिससे मच्छर नहीं होंगे-

- नीम- इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से विभिन्न प्रकार के कीड़े भाग जाते हैं। इसलिए आप इसे लगा सकते हैं। घर पर इसे लगाते हैं तो कई सारे फायदे भी आपको मिलते रहेंगे।
- मिट- मिट की खूशबू ही बहुत अच्छी होती है। इसमें मौजूद गुण मच्छरों और मक्खियों को दूर भगाते हैं। इस पौधे को आप घर में कहीं भी लगा सकते हैं। इसकी खूशबू से ताजगी बनी रहती है।
- यूक्लेप्टस- इसमें मौजूद तत्व कई मच्छर, मक्खी और कीड़ों के दुश्मन है। इसलिए आप यह पेड़ आसानी से लगा सकती है।
- लेमन ग्रास- इस पौधे में मौजूद गुण सिस्ट्रोनेला ग्रास की तरह है। इससे यह पौधा मच्छर भगाने में मदद करता है। साथ ही इसका उपयोग खाने में और चाय बनाने में भी किया जाता है। जी हां, इसकी चाय पीना काफी पसंद करते हैं।
- तुलसी- तुलसी का पौधा आंगन में लगाया जाता है। यह घर की समृद्धि में अहम है तो मनुष्य के स्वास्थ्य में लाभदायक। इसमें मौजूद प्राकृतिक गुण मच्छरों को दूर भगाता है। इतना ही नहीं इसकी खूशबू से चींटिया और छोटे-मोटे कीड़े भी आसपास नहीं आते हैं।



जब एक जोड़ा शादी के बंधन में बंधता है तो उसके मन में एक अजीब सा उत्साह होता है। अपने नए रिश्ते और जीवन में आए बदलाव को लेकर बहुत सी खुशियां व सपने उसकी आंखों में होते हैं। इतना ही नहीं, अपने पार्टनर को लेकर एक छवि पहले से ही उनके मन में होती है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि इसी अति उत्साह के चलते वह कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उनके रिश्ते पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

कभी-कभी तो यही गलतियां उनके रिश्ते की शुरुआत में ही उनके बीच समस्या पैदा कर देती हैं। जिसकी भरपाई बाद में भी कर पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर नए रिश्ते की शुरुआत में ही गलतफहमियां या खटास आ जाए तो ऐसे में ताउम्र उनके बीच खींच-तान बनी रहती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही मिसटैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें किसी भी कपल को शादी के बाद शुरुआती दिनों में करने से बचना चाहिए-

परफेक्शन की चाहत रखना

हो सकता है कि आपको हर काम सलीके से करने की आदत हो या फिर आप एक आर्गेनाइज्ड जीवन

नए रिश्ते की शुरुआत में गलतफहमियों से बचें

जीना पसंद करते हों। लेकिन आपके पार्टनर का भी स्वभाव ऐसा ही हो, यह जरूरी नहीं है। आपको यह समझना होगा कि आपके और आपके पार्टनर दोनों अलग माहौल में पले-बढ़े हैं और दोनों का स्वभाव अलग है। इसलिए, शादी के तुरंत बाद ही अपने पार्टनर से परफेक्शन की चाहत रखना या फिर उसे अपने ही सांचे में ढालने का प्रयास करना आपके बीच तनाव पैदा कर सकता है। बेहतर होगा कि आप दोनों ही पहले एक-दूसरे के स्वभाव, आदतों व रहन-सहन को समझें और फिर उसके बाद तालमेल बिठाने का प्रयास करें।

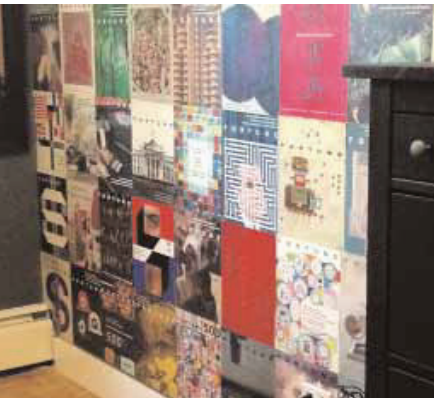
जरूरत से ज्यादा उम्मीदें करना

यह भी एक ऐसी मिसटैक है, जो शादी के बाद कपल्स में देखी जाती है। दरअसल, कपल्स की शादी के बाद अपने पार्टनर से उम्मीदें काफी हद तक बढ़ जाती हैं। वह सोचते हैं कि पार्टनर हर दिन उन्हें बाहर लेकर जाएगा या फिर वह डेर सारा वक्त साथ बिताएंगे या फिर उनका पार्टनर उन्हें तरह-तरह के तोहफे देगा। हालांकि, किसी भी व्यक्ति के लिए हर दिन ऐसा करना संभव नहीं होता है, जिससे समस्या होती है। वहीं, अगर कोई व्यक्ति अपने पार्टनर के लिए ऐसा करता भी है, तो भी बाद में उनके रिश्ते में खटास आ जाती है।

दरअसल, एक समय के बाद व्यक्ति अपने रोजमर्रा की लाइफ जीने लगता है और फिर पार्टनर को उतना पैम्पर नहीं कर पाता है, जिससे उनके बीच झगड़े बढ़ते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि शादी के शुरुआती दिनों में ही आप अपनी फाइनेंशियल कंडीशन से लेकर काम की व्यस्तताओं और स्वभाव के बारे में अपने पार्टनर से चर्चा करें।

परिवार के बीच बैलेंस ना कर पाना

अक्सर यह देखने में आता है कि व्यक्ति शादी के बाद भी पहले की तरह ही अपना जीवन बिताने की कोशिश करता है, जिससे उसके पार्टनर को उपेक्षित महसूस होता है और संबंधों में खटास महसूस होती है। यहां आपको यह समझना चाहिए कि एक सिंगल व्यक्ति के रूप में और कपल के रूप में आपकी प्राथमिकताएं अलग होती हैं। आपको शादी के बाद अपने परिवार व पार्टनर के बीच बैलेंस करना बेहद आवश्यक है। इस समय आपकी पहली प्राथमिकता आपका जीवनसाथी और नया जीवन है जिसे आपको अभी संवारना है। हालांकि, यहां इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप अपने परिवार को बिल्कुल अनेदखा कर दें। बस आपको अपने पार्टनर को कुछ वक्त अलग से देने की आवश्यकता होगी, जो सिर्फ आप दोनों के लिए ही हो।



लिए आपको पुराना फेम लेना है और उसमें मैगजीन को काटकर फोटो की तरह लगा देना है। साइज का ध्यान जरूर रखें। इसके बाद आपका वॉल बनकर तैयार हो गया है।

वॉल डेकोर के लिए फूल बनाएं

अगर आपको एक्स्ट्रा एक्टिविटी करना है तो आपको अपने वॉल डेकोर के लिए दीवार पर फूल बनाना होगा। यह देखने में खूबसूरत लगता है और इसे आप चाहे तो पुरानी मैगजीन की मदद से बना सकती है। इसे बनाना काफी आसान है। इसके लिए आपको कुछ मैगजीन के पन्ने को काटना होगा। फिर इसकी मदद से आपको फूल बनाना होगा। इसे अलग-अलग जगह आप ग्लू की मदद से चिपका सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है।

दूसरों से बात करने में होती है हिचकिचाहट तो अपनाएं ये टिप्स

आज के दौर में बहुत ज्यादा हिचकिचाहट निजी लाइफ और करियर के लिए गंभीर समस्या है, जब हम किसी से भी बातचीत करते हैं और बोलते समय हिचकिचाते हैं, तो हमारी इमेज खराब होने का डर रहता है और हम अपना आत्मविश्वास खो देते हैं। साथ ही, सबसे पहले हमें समझना होगा कि हिचकिचाहट क्या होती है? जब हम किसी से बात करते हैं और उनके सवालों का जवाब जानते हुए भी जवाब नहीं दे पाते हैं या गलत जवाब के डर से चुपचाप रहते हैं तो उसे हिचकिचाहट कहते हैं। ये समस्या कई लोगों में होती है, जिसका नतीजा होता है कि हमारे हक की चीजें किसी दूसरे को मिल जाती हैं और हम सोच-सोचकर परेशान होते रहते हैं कि क्या करना चाहिए। अगर आपको भी दूसरों से बोलने में हिचकिचाहट होती है तो घबराने नहीं, हम आपके के लिए इस आर्टिकल कुछ ऐसे टिप्स लाए हैं, जिसको फॉलो कर आप अपनी समस्या को दूर कर पाएंगे।

खुद पर करें विश्वास

हिचकिचाहट को दूर करने के लिए सबसे जरूरी है कि खुद पर विश्वास करना। अगर आपको किसी से बात करने की जरूरत है तो आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि आप कैसे बात करेंगे? जवाब में क्या आएगा और वो आपके बारे में क्या सोचेंगे? आपको अपने आप पर विश्वास रखना चाहिए और डर पर काबू पाकर खुद को भरोसा दिलाएं कि आप अपनी बात दूसरों के सामने अच्छी तरीके से रख पाएंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास बना रहेगा।

जानकारी प्राप्त करें

जब हम किसी से बात करते हैं तो हिचकिचाहट सबसे ज्यादा उस समय पैदा होती है, जब बातचीत के दौरान हमारे पास उस विषय के बारे में जानकारी की कमी होती है। इसलिए अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए ज्यादा से ज्यादा किताबें पढ़नी चाहिए। याद रखें कि जिस भी विषय पर आप बात करने वाले हैं, उस पर ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटा लें, जिससे आपको

अपनी बात रखने में हिचकिचाहट नहीं होगी।

हमेशा प्रैक्टिस करें

हर काम को सही तरीके करने के लिए प्रैक्टिस बहुत जरूरी होती है, जिससे आपका हुनर निखरता है। इसी तरह हिचकिचाहट को दूर करने के लिए बोलने की प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, लेकिन सवाल उठता है कि इस भागदौड़ वाली जिंदगी में किस के साथ बातचीत करें? तो आप शीशे के सामने खड़े होकर सोचें की शीशे के सामने कोई खड़ा है और ज्यादा से ज्यादा रोज बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। जिससे आपको कुछ दिनों में महसूस होगा कि आप अपनी बात दूसरे के सामने आसानी से रख पा रहे हैं।

चेहरे पर मुस्कान रखें

चेहरे पर मुस्कान रखना जीवन शैली में जरूरी है, क्योंकि इसका असर हमारी बातचीत पर पड़ता है। अगर आप किसी से बातचीत कर रहे हैं तो चेहरे पर मुस्कान रखें। जिससे आप बिना हिचकिचाहट के आसानी से बात कंप्लीट कर लेंगे। चेहरे पर मुस्कान से मानसिक तनाव कम होने के साथ-साथ आपके अंदर बोलने का आत्मविश्वास बढ़ता है।

पॉजिटिव सोच

पॉजिटिव सोचना जीवन में बहुत जरूरी होता है, क्योंकि पॉजिटिव सोचने से आत्मविश्वास बढ़ता है, यही कारण है कि आप धीरे-धीरे खुद बात करने में माहिर होने लगते हैं। अगर आप पॉजिटिव सोच रखते हैं तो आपको नर्वस फील नहीं होगा और बिना हिचकिचाहट के दूसरे के आसानी के बात रख सकते हैं। और आप खुद में बदलाव देखेंगे कि किसी सोशल मौके पर आपको घबराहट नहीं हो रही है। अगर आपको बोलते समय हिचकिचाहट होती है तो ये टिप्स को फॉलो करने की कोशिश करें और अगर फिर भी समस्या होती है तो किसी एक्सपर्ट से बात जरूर करें।



आजकल लोग अपने घर में ओपन किचन थीम रखना पसंद करते हैं। इससे आपके हॉल में बैदा गेस्ट आपके किचन को देख सकता है। अगर आप भी अपने किचन की सजावट करना चाहती हैं तो आपको हम बताएंगे कि आप कैसे पुरानी मैगजीन की सहायता से अपने किचन की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

वॉल डेकोर

कीचन की सजावट करने के लिए आपको सबसे पहले किचन के वॉल को सजाना होगा। अगर आपका वॉल डेकोर नहीं होगा तो यह आपके घर के लुक को फीका कर सकता है। ऐसे में आपको पुराने कार्ड बोर्ड की जरूरत होगी और ग्लू की

भी। आपको मैगजीन से तीन स्कायर शेप का पेपर कट करना होगा। इसे पुराने कार्ड बोर्ड पर चिपका देना है। अब आप इसे अपने कीचन के वॉलपेपर हेंग कर सकते हैं। इससे आपके कीचन का वॉल खराब भी नहीं होगा और यह देखने में खूबसूरत भी लगेगा।

वॉल पर करें पेंटिंग

अगर आपको पेंटिंग करने का शौक है तो आपको अपने घर के वॉल पर पेंटिंग करना चाहिए। जी हां, आप वाटर कलर की मदद से अपने कीचन के दीवार पर कुछ खास पीने का चित्र तैयार कर सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है। वाटर कलर की मदद से आपको कुछ फल या सब्जी का फोटो बना दें। इसके बाद आपको मिरर फ्रेम तैयार करना चाहिए। इसके





भारत ने दिया 372 रनों का लक्ष्य, श्रीलंका 47 पर 4 विकेट

भारत की दूसरी पारी 193 रनों पर सिमटी

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका ने गॉल टेस्ट के चौथे दिन भारत की दूसरी पारी को 193 रनों पर समेट दिया है, जिसकी वजह से अब उन्हें ये मैच जीतने के लिए 372 रन बनाने होंगे, भारत की तरफ से दूसरी पारी में ऋद्धभ पंत ने सबसे ज्यादा 66 रन बनाए, जबकि पंडितल ने 44 और केएल राहुल ने 35 रनों का योगदान दिया, इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका, वहीं श्रीलंका की तरफ से अस्थिरा फर्नांडो सबसे सफल गेंदबाज रहे, उन्होंने कुल 4 विकेट लिए, इसके अलावा प्रभात जयसूर्या ने तीन विकेट हासिल किया, जबकि लहिरू कुमार को दो विकेट और केशरा को एक विकेट मिला, भारत को पहली पारी में 178 रनों की बड़ी बढ़त मिली थी, मेजबान टीम ने पहली पारी में 284 रन बनाए थे जबकि भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे।

श्रीलंका की खराब शुरुआत - 372 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने अपना पहला विकेट 13 के स्कोर पर खो दिया है, निशान मुद्दुका 27 गेंद में 6 रन बनाकर आउट हुए, उनको मोहम्मद सिराज ने प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच आउट कराया, इसके बाद दाएं हाथ से बल्लेबाज पर्सिंदु सोरियाबंडारा क्रीज पर आए, जिनको चांडीमल की जगह

श्रीलंका को लगा बड़ा झटका, चंडीमल को ले जाया गया अस्पताल, फील्डिंग के दौरान हुए थे चोटिल

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका को एक बड़ा झटका लगा, जब उनका अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चंडीमल फील्डिंग के दौरान कंधे और गर्दन में गंभीर चोट आई, जिसकी वजह से उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा, इसके बाद चंडीमल को स्कैन के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

श्रीलंका क्रिकेट ने कहा, मैदान पर टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और डॉक्टर ने उनकी जांच की और एहतियात के तौर पर स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है, साथ ही कहा कि स्कैन के नतीजे आने के बाद आगे की जानकारी दी जाएगी। जब भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने डीप बेकवर्ड स्कायर लेग की तरफ स्वीप शॉट खेला, जहां चंडीमल बाईं ओर से दौड़कर आए और बाउंड्री रोकने के प्रयास में डाइव करते हुए गेंद को रोक दिया, डाइव करते समय उनके शरीर का पूरा वजन उनकी गर्दन पर आ गया, मैच के दौरान

टिक सके और शून्य पर आउट हो गए, उनको मानव सुधार ने एलबीडब्ल्यू आउट किया, इसके साथ श्रीलंका ने 14 के स्कोर पर अपना दूसरा विकेट भी खो दिया।

नेशनल स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 का हुआ ऐलान

दिव्या देशमुख समेत 17 खिलाड़ियों को मिला अर्जुन अवॉर्ड, खेल रत्न किसी को नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत में हर साल शानदार खेल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नेशनल स्पोर्ट्स अवार्ड्स से सम्मानित किया जाता है, इसी क्रम में खेल मंत्रालय ने नेशनल स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 का ऐलान 18 अगस्त 2026 को किया। खास बात ये है कि इस बार किसी भी खिलाड़ी को खेल रत्न अवॉर्ड नहीं दिया गया है, यह केवल तीसरी बार है जब किसी भी खिलाड़ी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से सम्मानित नहीं किया गया है, इससे पहले 2008 और 2014 में भी ऐसा ही हुआ था। वहीं, 20 वर्षीय शतरंज की खिलाड़ी दिव्या देशमुख समेत 17 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुना गया है, जिसमें कोई क्रिकेटर शामिल नहीं है, इसके अलावा पांच कोचों को द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए चुना गया है। भारत के सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली सिलेक्शन कमिटी की सिफारिशों के आधार पर, सरकार ने अलग-अलग कैटेगरी में खिलाड़ियों, कोच और संस्थाओं को अवॉर्ड देने का फैसला किया है। अर्जुन अवॉर्ड उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने पिछले चार सालों में खेल के मैदान में लीडरशिप, स्पोर्ट्समैनशिप और अनुशासन का



प्रदर्शन किया है। अर्जुन अवॉर्ड पाने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में हाई जम्पर और डेकाथलोन एथलीट तेजस्विन शंकर, स्पिंदर मोहम्मद अजमल वी. और प्रियंका गोस्वामी, बैडमिंटन खिलाड़ी ट्रेसी जॉली और गायत्री गोपीचंद, शतरंज खिलाड़ी विदित गुजराती और दिव्या देशमुख, हॉकी खिलाड़ी लालरेमसियामी और राजकुमार पाल और शूटर अखिल श्योराण शामिल हैं।

अरुमईनायगम को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड - 1962 के एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय फुटबॉल टीम का हिस्सा रहे अरुमईनायगम को लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए अर्जुन अवॉर्ड दिया गया है।

द्रोणाचार्य अवॉर्ड - द्रोणाचार्य अवॉर्ड उन

अर्जुन अवार्डविनर्स की लिस्ट

तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स)
मुहम्मद अजमल वी (एथलेटिक्स)
प्रियंका गोस्वामी (एथलेटिक्स)
ट्रेसी जॉली (बैडमिंटन)
पुनेला गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन)
नरेंद्र बेरवाल (मुक्केबाजी)
विदित संतोष गुजराती (शतरंज)
दिव्या जीतेन्द्र देशमुख (शतरंज)
धनुष श्रीकांत (पैरा शूटिंग)
लालरेमसियामी (हॉकी)
राजकुमार पाल (हॉकी)
सुरजीत (कबड्डी)
पूजा (कबड्डी)
रुद्राश खडेलवाल (पैरा-शूटिंग)
एकटा भ्याण (पैरा-एथलेटिक्स)
अरविन्द सिंह (रोइंग)
अखिल श्योराण (शूटिंग)

कोचों को दिया जाता है जो अपने खेल के क्षेत्र में बेहतरीन काम करते हैं और युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स में अच्छे प्रदर्शन करने में मदद करते हैं।



मेहनत की। जोदर ने यह भी माना कि भले ही टैबिलो के खिलाफ स्कोरलाइन आसान नजर आ रही हो, लेकिन मुकाबला बिल्कुल आसान नहीं था।

स्मार्ट हलचल

विश्व कप हॉकी में आज पाकिस्तान पर जीत का सिलसिला कायम रखने उतरेगा भारत

दूसरे दौर में प्रवेश पर नजर



दूसरे दौर में जाता है तो इस पूल से उसके कोई अंक आगे नहीं जाएंगे जबकि भारत को हराने के कारण इंग्लैंड तीन अंक लेकर जाएगा। आठ बार की ओलंपिक चैंपियन भारत और चार बार की विश्व कप विजेता पाकिस्तान के बीच भले ही मैदानी प्रतिद्वंद्विता का गौरवशाली इतिहास रहा हो लेकिन एशियाई दिग्गजों के बीच पिछले लगभग सभी मुकाबले बेमेल रहने से वह रोमांच खत्म हो गया है।

पहले कार्टर में भारत को पेनल्टी कॉर्नर देने से बचें , समीउल्लाह खान की पाक टीम को सलाह



होगा। अपने खेल के दिनों में अपनी तेज रफ्तार के कारण फ्लाइंग हॉर्स के नाम से मशहूर समीउल्लाह ने कहा कि पाकिस्तान को शुरुआत से ही डिफेंस पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा, मैं पाकिस्तानी कप्तान से यही कहना चाहूंगा कि अपना डिफेंस मजबूत रखें और भारत को पहले कार्टर में पेनल्टी कॉर्नर कटाई न दें। उन्होंने मिडफील्डरों को पीछे पास करने के बजाय आक्रामक रवैया अपनाने की सलाह दी। उनके मुताबिक मिडफील्ड से गेंद को आगे ले जाकर गोल की दिशा में खेला होगा, जबकि फॉरवर्ड खिलाड़ियों को डायगनल और इंटरचेंज पास के जरिए भारतीय डिफेंस को तोड़ने की कोशिश करनी होगी।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

उन्नति हुड़ा ने डेब्यू पर दर्ज की शानदार जीत, रोहन-रुथविका पहले दौर में बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा बैडमिंटन स्टार उन्नति हुड़ा ने मंगलवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। डेब्यू मुकाबले में उन्नति ने म्यांमार की थेत हतार थुजार को सीधे गेमों में 22-20, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। उन्नति और थुजार ने लगातार अंक बटोरे और किसी भी खिलाड़ी को बड़ी बढ़त नहीं लेने दी। 21 मिनट तक चले रोमांचक गेम में उन्नति ने दबाव के बीच धैर्य बनाए रखा और 22-20 से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भारतीय शटलर ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्नति ने एक समय 11-1 की बड़ी बढ़त बना ली। हालांकि थुजार ने वापसी करते हुए अंतर को 20-16 तक कम



किया, लेकिन उन्नति ने अपना संयम नहीं खोया और लगातार बेहतर खेल दिखाते हुए गेम 21-16 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब उन्का सामना कनाडा की 13वीं वरीयता प्राप्त मिशेल ली से होगा। दूसरी ओर, मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे की भारतीय जोड़ी को कनाडा के जोनाथन लाई और क्रिस्टल लाई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय जोड़ी का विश्व चैंपियनशिप अभियान शुरुआती दौर में ही समाप्त हो गया। भारत के लिए

मंगलवार को कई और अहम मुकाबले होने हैं। लक्ष्य सेमि फुर्ब एक्कल के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया के कॉलिन्स फिलिमोन से भिड़ेंगे। वहीं, अंशित सूर्य और अमृता प्रभुशेखर की जोड़ी का सामना तुर्की के एमरे सोनेमेज और यासेमेन बेक्टास से होगा।

सिनसिनाटी ओपन : 19 साल के स्पेनिश स्टार जोदर चौथे दौर में पहुंचे, अल्काराज और शेल्टन की बराबरी

एक साल में टॉप-500 से टॉप-11 तक का सफर - जोडर के लिए 2026 का सीजन बेहद शानदार रहा है। पिछले साल अगस्त की शुरुआत में वह दुनिया के टॉप-500 खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं थे, लेकिन एक साल के अंदर उन्होंने जबदस्त छलांग लगाई है। 2026 में दूर स्तर पर 36 जीत दर्ज करने के बाद जोदर अब एटीपी रैंकिंग में 11वें स्थान पर पहुंच चुके हैं। वह अब टॉप-10 में जगह बनाने से सिर्फ एक कदम दूर हैं। 6 फीट 3 इंच लंबे इस युवा खिलाड़ी ने एटीपी लाइव रस ट ट्यूरिन में भी सातवां स्थान हासिल कर लिया है। वह अपने दूर करियर के शुरुआती दौर में ही प्रतिष्ठित निटो एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में बने हुए हैं।

अगले दौर में फ्लेवियो कोबोली से भिड़ेंगे - चौथे दौर में जोदर का सामना दुनिया के नंबर-10 खिलाड़ी फ्लेवियो कोबोली से होगा। इटली के 24

वर्षीय खिलाड़ी ने अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को रोमांचक मुकाबले में 7-5, 4-6, 7-5 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। कोबोली निर्णायक सेट में 3-5 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने लगातार चार गेम जीतकर मुकाबला पलट दिया। यह उनके करियर में चौथी बार है जब उन्होंने किसी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बनाई है।

लैंडालुस का सफर हुआ खत्म - जोडर के साथी स्पेनिश खिलाड़ी 20 वर्षीय मार्टिन लैंडालुस सिनसिनाटी ओपन के अंतिम-16 में जगह बनाने से चूक गए। उन्हें थियागो ऑर्गस्टिन टिराटे ने लगातार दो टाई-ब्रेकर वाले मुकाबले में 7-6(5), 7-6(4) से हराया। टिराटे ने इससे पहले नोवाक जोकोविच को हराकर बड़ा उलटफेर किया था और अब उन्होंने लैंडालुस को भी मात देकर टूर्नामेंट में अपना शानदार अभियान जारी रखा है।

विश्व कप में आखिरी मुकाबला 2010 में हुआ

पाकिस्तान और भारत के बीच विश्व कप में आखिरी मुकाबला 2010 में दिल्ली में हुआ था जब राजपाल सिंह की कप्तानी वाली मेजबान टीम ने 4-1 से जीत दर्ज की थी। इसके बाद पाकिस्तान 2014 और 2023 विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका और 2018 में दोनों टीमों का सामना नहीं हुआ। पाकिस्तान के कप्तान अबु बकर महमूद और अम्माद बट ही मौजूदा टीम में दो खिलाड़ी हैं जिन्होंने पहले विश्व कप खेला है। कप्तान अबु बकर ने अच्छे प्रदर्शन का यकीन जताते हुए कहा, भारत और पाकिस्तान के मुकाबले में रैंकिंग या पिछला प्रदर्शन मायने नहीं रखता।

था। उसके बाद से भारत और पाकिस्तान के प्रदर्शन ग्राफ में जमीन आसमान का अंतर आ गया है। भारतीय टीम लगातार दो ओलंपिक पदक जीत चुकी है जबकि विश्व कप की सबसे सफल टीम रही चार बार की चैंपियन पाकिस्तान टूर्नामेंट में आठ साल बाद लौटी है। एफआईएच प्रो लीग में सारे मैच हारकर आखिरी स्थान पर रही थी और टूर्नामेंट से ठीक पहले कोच हरमान कर्न्स के लौट जाने से तैयारियों पर भी असर पड़ा है।

भारतीय टीम को वर्ल्ड कप जीताने वाले अजीत पाल सिंह की सलाह, दबाव के बारे में भूल जाओ

भारत को पुरुषों का एकमात्र हॉकी वर्ल्ड कप खिताब दिलाने के आधे सदी से भी ज्यादा समय के बाद अजीत पाल सिंह के पास मौजूदा टीम के लिए एक आसान सलाह है, दबाव के बारे में भूल जाओ। 179 वर्षीय अजीत पाल सिंह, जिन्होंने 1975 में कुआलालंपुर में भारत को एकमात्र वर्ल्ड कप खिताब दिलाया था, का मानना है कि हरमनप्रीत सिंह और उनकी टीम को देश का प्रतिनिधित्व करने की



जिम्मेदारी को अपनाया चाहिए, बिना इस बात की चिंता किए कि उम्मीदें उनके खेल पर हावी हो जाएं। अजीत पाल सिंह ने कहा, 'उन्हें दबाव के बारे में भूल जाना चाहिए। उस स्तर पर, वे जानते हैं कि वे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और हॉकी प्रेमी उनसे अच्छे नतीजों की उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन उन्हें उस दबाव को अपने दिमाग पर हावी नहीं होने देना चाहिए। उन्हें असल खेल पर ध्यान देना चाहिए, मैच पर फोकस करना चाहिए और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी चाहिए।' अजीत पाल सिंह के लिए दबाव से निपटने सिर्फ एक हिस्सा है। उनका मानना है कि एक सफल हॉकी टीम की नींव सामूहिक जिम्मेदारी होती है।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी डेविड वॉर्नर दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई दो सजा

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्टार बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने का दोषी पाया गया है, जिसकी वजह से कोर्ट ने उन पर जुर्माना लगाने के साथ साथ उन्हें गाड़ी चलाने के लिए इंटरलॉक डिवाइस का इस्तेमाल करना का भी आदेश दिया। सिडनी की एक अदालत ने डेविड वॉर्नर के अपना गुनाह कबूल करने के बाद उन्हें सजा सुनाई है, वॉर्नर पर 1,500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (1,01,912 इंडियन रुपये) का जुर्माना लगाया गया। बता दें कि 5 अप्रैल को सिडनी के पूर्वी इलाके में सड़क किनारे हो रहे रैडम ब्रेथ टेस्ट में वॉर्नर पर कानूनी सीमा से दोगुने से ज्यादा अल्कोहल पीकर गाड़ी चलाने का आरोप लगा था, पिछले महीने, वॉर्नर ने सिडनी की अदालत में ड्रिंक-ड्राइविंग के आरोप को स्वीकार भी कर लिया था। कोर्ट में सुनवाई के दौरान डेविड वॉर्नर के वकील ओवेस अहमद ने अदालत से उन्हें दोषी न ठहराने का अनुरोध किया, उन्होंने कहा कि वॉर्नर की गलती को दुनिया भर के मीडिया ने कवर किया था, जिससे उनके फाइनैशियल कॉन्ट्रैक्ट्स को नुकसान पहुंचा है।

वॉर्नर को तब गिरफ्तार किया गया था जब वह पाकिस्तान से इंटर की छुट्टी पर घर लौट रहे थे, पाकिस्तान में उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स की कप्तानी की थी, हालांकि, आरोप लगाने के बाद वह अपना पीएसएल अभियान जारी रखने के लिए पाकिस्तान लौट गए थे। अवेस ने अपराध की मामूली प्रकृति को देखते हुए वॉर्नर की गिरफ्तारी के बारे में प्रेस रिलीज जारी करने के पुलिस के फैसले पर भी सवाल उठाए, वकील ने कहा, इसके बाद मीडिया की तरफ से बहुत ज्यादा आलोचना हुई। जब क्लेयर फार्नन ने कहा कि वॉर्नर और उनकी पत्नी कैडिस वॉर्नर के बारे में सोशल मीडिया पर कवर टिप्पणियां किए जाने के सबूत थे, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें दोषी ठहराने के फैसले में सबसे अहम बात लोगों को शराब पीकर गाड़ी चलाने से रोकना था, और अपराध इसलिए और गंभीर हो गया क्योंकि उस समय कार में वॉर्नर की मौजूद थे। कोर्ट के आदेश के मुताबिक, अब डेविड वॉर्नर को गाड़ी चलाने के लिए इंटरलॉक डिवाइस का इस्तेमाल करना होगा, वह अब इंटरलॉक डिवाइस का लाइसेंस लेने और गाड़ी में डिवाइस लगवाने के बाद ही गाड़ी चला सकेंगे।



कैंसर को मात देकर बैडमिंटन कोर्ट पर लौटे गुस्ताव ब्योर्कलर

स्वीडन (एजेंसी)। स्वीडन के बैडमिंटन खिलाड़ी गुस्ताव ब्योर्कलर के लिए विश्व चैंपियनशिप में खेलना सिर्फ एक टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं, बल्कि जिंदगी में दूसरी पारी की शुरुआत जैसा है। 2018 में रक्त कैंसर के एक प्रकार मायलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम (एमडीएस) से जूझने के बाद उन्होंने कीमोथेरेपी और स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कराया। 2019 में कैंसर मुक्त घोषित होने के बाद पेशेवर बैडमिंटन में वापसी के लिए उन्हें लंबा और बेहद मुश्किल सफर तय करना पड़ा।

ब्योर्कलर ने बताया कि बीमारी के दौरान

उनका वजन करीब 15 से 17 किलोग्राम कम हो गया था और शरीर में लगभग पूरी तरह मांसपेशियां खत्म हो गई थीं। उन्होंने कहा कि दोबारा शारीरिक ताकत हासिल करने में काफी समय लगा। हालांकि इस मुश्किल दौर ने उनके शरीर के साथ-साथ जिंदगी को देखने का नजरिया भी बदल दिया।

बीमारी ने बदला जिंदगी को देखने का नजरिया - ब्योर्कलर के मुताबिक कैंसर की लड़ाई का सबसे बड़ा असर मानसिक रूप से पड़ा। बीमारी से जूझने के बाद उन्होंने महसूस किया कि स्वस्थ रहकर सामान्य



जिंदगी जी पाना भी अपने आप में बड़ी खुशी है। इसी सोच ने उन्हें मुश्किल परिस्थितियों से आगे बढ़ने और हर मौके का अधिकतम फायदा उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कभी यह विश्वास नहीं खोया कि वह एक दिन फिर बैडमिंटन कोर्ट पर वापसी करेंगे। अब वह नहीं चाहते कि उनकी पहचान केवल कैंसर से जंग लड़ने वाले खिलाड़ी के तौर पर हो। उनके लिए वह कहानी जिंदगी का एक हिस्सा है, लेकिन उनकी असली पहचान एक ऐसे खिलाड़ी की है जिसे बैडमिंटन खेलना पसंद है।

बेहतर ट्रेनिंग के लिए कोपेनहेगन में रह रहे हैं

कैंसर से उबरने के बाद वापसी की चुनौतियों के बीच ब्योर्कलर के सामने स्वीडन में उच्च स्तर की ट्रेनिंग का माहौल तलाशना भी एक चुनौती थी। यूरोप के कुछ अन्य देशों की तुलना में स्वीडन में बैडमिंटन उतना लोकप्रिय नहीं है। इसी वजह से उन्होंने बेहतर ट्रेनिंग और अभ्यास के लिए डेनमार्क के कोपेनहेगन जाने का फैसला किया। ब्योर्कलर अब वहीं रहकर अभ्यास करते हैं और अपने खेल को अगले स्तर पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने थॉमस कप में स्वीडन का प्रतिनिधित्व भी किया है और चोट टिएन चेन तथा एंडर्स एंटोनसन जैसे शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का अनुभव हासिल किया है।

विश्व चैंपियनशिप में अभियान खत्म, लेकिन लक्ष्य बड़ा

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में ब्योर्कलर का अभियान पहले दौर में ही समाप्त हो गया, लेकिन उनके लिए टूर्नामेंट में वापसी करना ही बड़ी उपलब्धि है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से उबरने के बाद दुनिया के सबसे बड़े बैडमिंटन मंच तक पहुंचना उनके लंबे संघर्ष का परिणाम है।